बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

बालाघाट
रविवार 10 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 316
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

राहुल के 'वोट चोरी' के आरोप पर चुनाव आयोग सख्त

'शपथ पत्र दें या झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें',

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप पर फिर कहा कि इस मामले में वह शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे। बता दें कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए थे।

आयोग के सूत्रों ने शनिवार को फिर दोहराया कि राहुल गांधी वोट चोरी का जो भी आरोप लगा रहे हैं, अगर सही हैं तो उसको लेकर वह शपथ पत्र दें और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो देश से माफी मांगे। आयोग ने पहले भी इसी तरह से राहुल गांधी से शपथ पत्र देने या माफी मांगने के लिए कहा था।

चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं तो लोकसभा से इस्तीफा दें राहुल- भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है, तो उन्हें नैतिक के आधार पर लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी राज्यसभा और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देने को कहा।

भाटिया ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप (राहुल गांधी) मीडिया के सामने निराधार आरोप लगाते हैं और जब संवैधानिक संस्था सबूत और लिखित घोषणा मांगती है तो देने से इन्कार कर देते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने मांग की कि कांग्रेस शासित कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके शीर्ष नेताओं को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है। भाटिया ने कहा, जो आपको ठीक लगे, आप स्वीकार करें। जो असुविधाजनक लगे, आप उसे अस्वीकार करें और चुनाव आयोग पर आरोप लगाएं। यह नहीं चलेगा।

'उन्हें बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगनी चाहिए'

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से महाराष्ट्र और कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारियों की ओर से जारी घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने को भी कहा है। अगर वह ऐसा नहीं करते तो उन्हें बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगने को भी कहा है। चुनाव आयोग ने कहा, अगर राहुल गांधी अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं। वह मानते हैं कि आयोग के खिलाफ उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

लेकिन राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। उन्होंने संसद सदस्य के रूप में संविधान की रक्षा करने की शपथ पहले ही ले ली है। इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेजेंटेशन के जरिए वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाया था। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ। उन्होंने मीडिया के सामने वोट चोरी के पांच तरीकों का खुलासा किया था।

मुंबई पुलिस ने चार जगह की छापेमारी, 5 आरोपियों समेत 10 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4.034 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10.07 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने चार जगह छापे मारे उनमें मालाड, जोगेश्वरी, दादर और नवी मुंबई हैं। पुलिस के मुताबिक इस छापे में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी हैं। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी मुंबई के कई इलाकों में मेफेड्रोन की सप्लाई करते थे।

पुलिस ने बताया कि घाटकोपर, वर्ली और बांद्रा यूनिट्स की अलग-अलग कार्रवाई में 504 ग्राम, 518 ग्राम, 766 ग्राम, 690 ग्राम और 1.024 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया है। ये सभी बरामदगियां अलग-अलग मामलों में हुई। अब तक इस मामले में चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) एक्ट के तहत जांच जारी है। बता दें इससे पहले मुंबई कस्टम के एयरपोर्ट कमिश्नरेट ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए का मादक पदार्थ जब्त किया था। इसमें कस्टम ने कुल 0.947 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) बरामद किया था। बता दें बैंकॉक से मुंबई पहुंचे एक यात्री को जांच के लिए रोका तो उसके पास से 947 ग्राम हरे रंग की गांठों के रूप में संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 94 लाख रुपए है। यह मादक पदार्थ वैक्यूम-सील प्लास्टिक पैकेट्स में पैक था और यात्री के ट्रॉली बैग में छिपाकर रखा गया था। आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इससे पहले मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 5 और 6 अगस्त की दरमियानी रात को 14.5 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों ने सीजेआई को लिखा पत्र

हाईकोर्ट न्यायाधीशों और सुप्रीम कोर्ट के बीच का मामला

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 मौजूदा न्यायाधीशों ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के विरोध में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई को पत्र लिखा है। यह मामला एक इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश से जुड़ा है, जिससे सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों की सुनवाई का अधिकार छीन लिया था।

यह पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट के 4 अगस्त के एक आदेश से शुरू हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए। खासकर, एक आपराधिक मामले में जमानत देने और एक दीवानी मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के तरीके पर सुप्रीम कोर्ट ने आपत्ति जताई। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने अपने 4 अगस्त के आदेश में कहा कि उस न्यायाधीश को आपराधिक मामलों की सुनवाई से दूर रखा जाए। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि इन न्यायाधीश को सेवानिवृत्ति तक कोई भी आपराधिक मामला न सौंपा जाए और उन्हें किसी वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ ही खंडपीठ में बैठाया जाए।

इस आदेश के बाद, इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 न्यायाधीशों ने सीजेआई को पत्र लिखकर इस आदेश को लागू न करने की अपील की। न्यायाधीशों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश हाईकोर्ट की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने फुल कोर्ट मीटिंग बुलाने की मांग की है, ताकि इस मुद्दे पर चर्चा की जा सके और यह तय किया जा सके कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू करना जरूरी है या नहीं। न्यायाधीशों का मानना है कि यह मामला सिर्फ एक न्यायाधीश से जुड़ा नहीं है, बल्कि हाईकोर्ट की स्वायत्तता से जुड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के आदेश न्यायिक प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

एंटी-ड्रोन सिस्टम वाला पहला राज्य बना पंजाब

तरनतारन ।पंजाब में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर पूरी तरह नकेल कसने के लिए शनिवार को आप सरकार ने 3 एंटी ड्रोन सिस्टम पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिए। मॉडर्न एंटी-ड्रोन सिस्टम से लैस होने वाला पंजाब पहला राज्य बन गया है। इसका औपचारिक उद्घाटन तरनतारन में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किया।

संबोधन करते हुए केजरीवाल बोले कि पंजाब में कुछ समय पहले तक नशा सबसे बड़ी समस्या थी। पिछली सरकारों ने तस्करों से मिलीभगत कर पंजाब के घर-घर में नशा पहुंचा दिया। हालत यह थी कि लगता था, पंजाब पूरी तरह बरबाद हो गया है। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद हमने नशे के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। चाहे वह कितना भी बड़ा मंत्री हो, अफसर हो या तस्कर—हमने किसी को नहीं बख्शा। सबको पकड़-पकड़ कर जेल में डाला है।

नशा तस्करों आलीशान मकान तोड़े जा रहे

उन्होंने कहा कि नशा बेचकर जो पैसे से आलीशान मकान बनाए गए थे, उन्हें तोड़ा जा रहा है। यह काला धन जब्त करके बच्चों की शिक्षा और लोगों के इलाज पर खर्च किया जा रहा है। पंजाब में जो नशा बिकता है, उसका बड़ा हिस्सा पाकिस्तान से आता है और वह ड्रोन के जरिए लाया जाता है। ड्रोन सीमा पार से गिराए जाते हैं, और फिर नशा पंजाब तक पहुंचता है।

3 एंटी-ड्रोन सिस्टम लॉन्च किए

पंजाब सरकार ने इस पर नकेल कसने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया है। अब अगर कोई ड्रोन पाकिस्तान से आएगा, तो उसे तुरंत गिरा दिया जाएगा। इससे नशा पंजाब में प्रवेश ही नहीं कर पाएगा। आज हम 3 एंटी-ड्रोन सिस्टम लॉन्च कर रहे हैं। कुल 9 सिस्टम का ऑर्डर दिया गया है, जिनमें से 6 और जल्द आ जाएंगे। अगर जरूरत पड़ी, तो और भी खरीदे जाएंगे। पंजाब आज देश का एकमात्र राज्य है, जिसके पास अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम है। पुरानी सरकारों ने पंजाब को नशे की आग में झोंक दिया था, लेकिन आज का पंजाब उससे लड़ रहा है, और यह जंग हम जीतकर रहेंगे।

कुलगाम में 2 जवान शहीद

1 अगस्त से जारी ऑपरेशन अखल का आज नौवां दिन

कुलगाम ।जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गए। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह यह जानकारी आई। ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है।

2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो सी-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था। ऑपरेशन अखल को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ अंजाम दे रहे हैं। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले एयरफोर्स चीफ

एस-400 से मार गिराए 5 पाकिस्तानी जेट्स

नई दिल्ली ।भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि भारत के एस-400 मिसाइल सिस्टम ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इसके अलावा, एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान को भी 300 किलोमीटर की दूरी से नष्ट किया गया। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि जेकबाबाद में खड़े कुछ एफ-16 विमानों और भोलारी एयर बेस पर एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर नष्ट किया गया।

इंडियन एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को बेंगलुरु के एसएएल मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सीजन को संबोधित कर रहे थे। एपी सिंह ने कहा, हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया है। एस-400 सिस्टम जिसे हमने हाल ही में खरीदा था, यह गेम-चेंजर रहा है। पाकिस्तान के पास लंबी दूरी के ग्लाइड बम थे लेकिन वे उनमें से किसी का भी इस्तेमाल नहीं कर पाए क्योंकि वे एयर डिफेंस को भेद नहीं सके।

ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 की ताकत

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए एस-400 का इस्तेमाल किया। यह रूस से खरीदा गया एक उन्नत सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जो 400 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस ऑपरेशन में एस-400 ने शानदार प्रदर्शन किया और 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो इस सिस्टम की रेंज और सटीकता को दर्शाता है। एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए इसका नष्ट होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

लोकायुक्त ने सहायक जेल अधीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

उज्जैन। मध्यप्रदेश में रिश्वतखोरी का एक और मामला सामने आया है, जहाँ लोकायुक्त पुलिस ने खाचरौद उप जेल के सहायक जेल अधीक्षक, सुरेंद्र सिंह राणावत को 15,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दरअसल जितेंद्र गोमे नाम के व्यक्ति ने लोकायुक्त में शिकायत की थी कि उनका साला, जो खाचरौद उप जेल में बंद है, साले को मारपीट से बचाने के लिए सहायक जेल अधीक्षक राणावत 30,000 की रिश्वत मांग रहे थे। इसके बाद योजना बनाकर लोकायुक्त की टीम ने शिकायत की पुष्टि कर गोमे को 15,000 रुपये के साथ राणावत के पास भेजा। इसके बाद सहायक जेल अधीक्षक राणावत ने पहले गोमे को पैसे झाड़ियों में रखने को कहा, लेकिन गोमे के मना करने पर पैसे स्कूटी की डिक्की में रखवाए। इसके बाद, वह स्कूटी से दूर जाकर निगरानी करने लगा। जैसे ही वापस स्कूटी के पास आया, सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त टीम ने राणावत को रंगे हाथों दबोच लिया। लोकायुक्त पुलिस के द्वारा गिरफ्तारी के बाद राणावत ने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन जब सबूत दिखाए गए तब वह शांत हो गया। लोकायुक्त ने आरोपी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर नोटिस देकर छोड़ दिया है।

खास खबर

पेपर लीक में अशोक गहलोत का पीएसओ गिरफ्तार

जयपुर ।एसओजी ने शुक्रवार देर रात एसआई पेपर लीक से जुड़े मामले में राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। एसओजी रात से दोनों से पूछताछ कर रही है। अब तक जांच में सामने आया है कि राजकुमार यादव ने बेटे के लिए सब इंस्पेक्टर का पेपर खरीदा था। राजकुमार यादव का बेटा भरत यादव भर्ती एग्जाम में पास हो गया था। इसके बाद फिजिकल में फेल हो गया। अशोक गहलोत के सीएम रहने के दौरान राजकुमार यादव उनकी सुरक्षा में तैनात था।

कांग्रेस विधायक का पूर्व पीएसओ गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के कपूरथला से कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा के लिए एक और मुश्किल खड़ी हो गई है। उनके पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी और बेहद करीबी माने जाने वाले जोगा सिंह को पंजाब पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई फाजिल्का पुलिस ने की है और मामला ड्रग तस्करी से जुड़ा हुआ है। जानकारी के अनुसार जोगा सिंह साल 2015 में दर्ज एक बड़े ड्रग तस्करी केस में फाजिल्का पुलिस को वांछित था। इस मामले में मार्केट कमेटी ढिलवां के पूर्व चेयरमैन समेत 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

अब खाते में 50000 रूपए जरूरी

नई दिल्ली ।अगर आपका भी अकाउंट आईसीआईसीआई बैंक में है तो आपके लिए एक बड़ी खबर है। बैंक ने अपने सेविंग अकाउंट्स के लिए मिनिमम एवरेज अमाउंट में भारी बढ़ोतरी की है। सेविंग अकाउंट में रखने वाले न्यूनतम राशि को 5 गुना तक बढ़ा दिया है। मिनिमम बैलेंस में बढ़ोतरी मेट्रो से लेकर गांव तक के कस्टमर्स के लिए किया गया है। प्राइवेट सेक्टर लेंडर आईसीआईसीआई बैंक के बचत खाते में अब मिनिमम बैलेंस 50000 बनाए रखना होगा। यह नियम 1 अगस्त 2025 से प्रभावी माना जाएगा।

सिक्योरिटी ऑडिट वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने एअर इंडिया की सुरक्षा और रखरखाव मानकों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इसमें याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने स्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने और आईसीएओ से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से एअर इंडिया की फ्लीट का ऑडिट कराने की मांग की गई थी।

कुछ ना कहना

सिब्बल ने शाह से पूछा...क्या वे सुरक्षित हैं? धनखड़ से संपर्क क्यों नहीं हो पा रहा है?

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति के पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद से जगदीप धनखड़ सार्वजनिक कार्यक्रम में नहीं दिखाई दिए हैं। ना ही उनका कोई बयान सामने आया है। इस बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने देश के गृह मंत्री अमित शाह से उन्हें लेकर एक बड़ा सवाल पूछा है। उन्होंने पूछा है कि क्या हमें बताया जा सकता है कि धनखड़ कहां हैं?

उन्होंने पोस्ट कर पूछा, क्या वे सुरक्षित हैं? धनखड़ से संपर्क क्यों नहीं हो पा रहा है? सपा के राज्यसभा सांसद सिब्बल लिखते हैं, अमित शाह को पता होना चाहिए! वह हमारे उपराष्ट्रपति थे। देश को चिंतित होना चाहिए।

धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर अचानक इस्तीफा देने के बाद 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद रिक्त हो गया था। धनखड़ का कार्यकाल अगस्त 2027 में समाप्त होना था। इसके बाद से नए उपराष्ट्रपति के नाम को लेकर कयासों का दौर शुरू हो चुका है। निर्वाचन आयोग ने भी उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है।

चुनाव आयोग की सर्जिकल स्ट्राइक...334 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

अब सिर्फ 6 राष्ट्रीय दल और 67 क्षेत्रीय पार्टियों बची

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग ने निर्वाचन प्रणाली की सफाई की बात कर 334 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया है। इसके बाद देश में अब सिर्फ 6 राष्ट्रीय दल हैं। इसके अलावा क्षेत्रीय पार्टियों की संख्या घटकर 67 बची है।

बता दें कि भारत में राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्रावधानों के तहत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) में किया जाता है। राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन के लिए जारी दिशानिर्देशों में यह प्रावधान है कि यदि कोई दल लगातार 6 वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ता है, तब उस पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत दल को रजिस्ट्रेशन के समय अपना नाम, पता, पदाधिकारियों के नाम आदि का विवरण देना होता है। इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर बिना विलंब निर्वाचन आयोग को सूचित करना अनिवार्य होता है। इसके पहले, जून 2025 में निर्वाचन आयोग ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओएस) को 345 दलों की जांच का निर्देश दिया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने इसकी जांच की, इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ। प्रत्येक दल को व्यक्तिगत सुनवाई के माध्यम से अपना पक्ष रखने का मौका प्रदान किया गया। इसके बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर कुल 345 दलों में से 334 तय शर्तों का पालन नहीं कर रहे हैं। शेष मामलों को पुन: जांच के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को वापस भेजा गया है। आयोग ने सभी तथ्यों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की अनुशंसाओं पर विचार करने के बाद 334 दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया।

भारत में अब सिर्फ 6 राष्ट्रीय पार्टियां

चुनाव आयोग की नई कार्रवाई के बाद अब देश में सिर्फ 6 राष्ट्रीय पार्टियां रह गई हैं। उसमें अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप), मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी), देश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), कॉम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), मुख्य विपक्षी कांग्रेस और राष्ट्रीय पीपुल्स पार्टी (एनपीनी)।

जबकि क्षेत्रियां दलों में- आजसू पार्टी, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस, ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी), ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) अपना दल (सोनेलाल), असम गण परिषद, भारत आदिवासी पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), बीजू जनता दल (बीजेडी), बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट, सिटिजन एक्शन पार्टी-सिक्किम, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (मुक्ति), देशिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), गोवा फॉरवर्ड पार्टी, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा, जम्मू एवं कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, जम्मू एवं कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी, जम्मू एवं कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, जनसेना पार्टी, जनता दल (सेक्युलर), जनता दल (यूनाइटेड), जननायक जनता पार्टी, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे), झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), केरल कांग्रेस, केरल कांग्रेस (एम), लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी), लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस), महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, मिजो नेशनल फ्रंट, नाम तमिलर कच्ची, नागा पीपुल्स फ्रंट, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी - शरदचंद्र पवार गुट, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले), रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, समाजवादी पार्टी (एसपी), शिरोमणि अकाली दल (शिअद), शिवसेना, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), टिपरा मोटा पार्टी, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल, विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची, वॉयस ऑफ द पीपुल पार्टी, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी, जोराम नेशनलिस्ट पार्टी, जोराम पीपुल्स मूवमेंट शामिल है।

प्रकृति पूजक आदिवासी समाज ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। जल, जंगल, जमीन और प्रकृति के उपासक आदिवासी समाज ने शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया. इस अवसर पर कटंगी में जनपद पंचायत के सामने स्थित सामुदायिक भवन से विशाल रैली निकाली गई. जिसमें क्षेत्र भर के आदिवासी समुदाय के लोगों ने शिरकत की. रैली में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती की जीवंत झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही. रैली में आदिवासी समाज के लोग परंपरागत वेशभूषा में शामिल हुए. रैली ने पूरे शहर का गश्त करते हुए सिवनी रोड़ स्थित कृषि उपज मंडी में विराम लिया. जहां पर मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ. विश्व आदिवासी दिवस हर साल 9 अगस्त को मनाया जाता है. यह दिन विश्व के आदिवासी समुदायों के अधिकारों और उनकी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है. इस दिन को संयुक्त राष्ट्र ने 1994 में घोषित किया था, जो कि आदिवासी समुदायों के प्रति जागरूकता और समर्थन बढ़ाने के लिए मनाया जाता है. इस दिन को विश्व भर का आदिवासी समाज बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ मनाता है. आदिवासी समाज के कई तरह के कार्यक्रम आयोजित होते है जहां आदिवासी समाज की आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्थिति पर चर्चा होती है.

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी प्रांगण में मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता सखाराम इनवाती ने की. फूलसिंह परते उपाध्यक्ष, डी.एस कुमरे, सत्येंद्र इनवाते, नितिन कुमरे, मदन लाल अड़मे, संजू सैयाम, राम कृष्ण परते, डी.डी. वाडिवे, जिला पंचायत सदस्य प्रियंका परते, सुनील परते, प्रशांत मेश्राम, हेमू कुमरे, अशोक कारसर्पे, सुरेंद्र गजभिए, संजय खोबरागड़े, विनोद डहरवाल, देवराज पंद्रे, विकेश कठौते, तुलसी उईके, कुसुमलता कुमरे, टेकचंद सेंद्रे, कपिल मेश्राम, फत्तूलाल उईके, देमाबाई पंद्रे विशेष अतिथि रहे. कार्यक्रम की शुरूआत में आदिवासी और बहुजन समाज में जन्मे महापुरुषों के चित्र की पूजा-अर्चना की गई. तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत सत्कार और फिर माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

शिक्षा से ही समाज का होगा उद्धार- नितिन कुमरे

मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन कुमरे ने कहा कि आज भी आदिवासियों का शोषण हो रहा है. बावजूद इसके आज आदिवासी समाज शिक्षा के प्रति जागरूक हुआ है. वह तमाम तरह के शोषण को सहन करते हुए शिक्षा अर्जित कर रहा है. उन्होंने कहा कि हम करीब 30 वर्ष से विश्व आदिवासी दिवस मना रहे है. पहले आदिवासी समाज का शारीरिक तौर पर शोषण किया जाता था लेकिन आज ट्रेड चेंज हो गया है आदिवासी समाज की बेटियों के साथ शादी कर उनके लिए बनने वाली योजनाओं का लाभ ले रहे है. आदिवासी समाज की बेटियों का शोषण कर रहे है. आदिवासियों की जमीन सेठ-साहूकार अपने नौकर आदिवासी के नाम खरीद रहे है. हमें समाज का उद्धार करने से पहले अपना और अपने परिवार का उद्धार होगा और स्वयं का उद्धार शिक्षा से ही संभव है।

आदिवासियों को शराब से होना होगा मुक्त

जिला पंचायत सदस्य प्रियंका परते ने कहा कि आदिवासी समाज को सबसे पहले शराब का सेवन करने से मुक्त होना होगा. शराब समाज के उत्थान में बहुत बड़ी बाधक बन रही है. युवा साथी शराब का सेवन कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे है. शराब ना केवल आदिवासी समाज के स्वास्थ्य को खराब कर रही है बल्कि निरंतर शराब का सेवन करने से समाज की आर्थिक उन्नति भी रुकी हुई है. शराब ने समाज के कई घरों को बर्बाद करने का काम किया है और रिश्ते कमजोर हो रहे है. समाज को यह संकल्प लेने की जरूरत है कि वह शराब से मुक्त होगा तभी समाज की आर्थिक, शैक्षणिक स्थिति में सुधार होगा।

समाज को स्वयं में लाना होगा बदलाव-सखाराम इनवाती

कार्यक्रम के अध्यक्ष सखाराम इनवाती ने कहा कि आदिवासी समाज संविधान की आत्मा में समाहित है. हमारा समाज ना सिर्फ भारत की सांस्कृतिक विविधता, प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली और सामूहिक चेतना का प्रतीक है बल्कि यह विश्व स्थापित सत्य है. हमारी संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली प्रकृति के साथ गहरे तालमेल रखती है. लेकिन इतिहास गवाह है कि हमें अक्सर हाशिए पर रखा गया भूमि अधिकार, शिक्षा की पहुँच, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आज भी हमें परेशान होना पड़ता है. क्या कारण है जानने की कोशिश करें तो हमें हमारी ही गलतियां नजर आती है. हमें अपनी गलतियों को सुधारने की जरूरत है. हमें शिक्षा के साथ स्वयं के भीतर बदलाव लाने होंगे. बुरे व्यसन छोड़ने होगें अपनी संस्कृति और परम्पराओं को बचाना होगा. यानी समाज को स्वयं के भीतर बदलाव लाना होगा।

आज भी आदिवासियों को अपने अधिकार नहीं मालुम -अधि संजय खोबरागड़े

अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने कहा कि जो समाज अपना इतिहास नहीं जानती जो समाज अपना इतिहास नहीं बना सकती बाबा साहेब आम्बेडकर कहते ऐसी समाज में शिक्षा की कमी होती है एक समय में भारत में 52 राजाओ ने राजपाट किया । आज हमारी आदिवासी समाज ग्रामीण अंचल में रहती है ।जिसमें शिक्षा की कमी के कारण नशे की आदि है ।राजनीतिक दल इनका शोषण करते हैं । आज भी इस समाज को अपने अधिकार नहीं मालुम है । हम समाज के मुख्य लोगो से आव्हान करते हैं कि ऐसे आयोजन में युवाओं को शपथ दिलाए की वह शराब का सेवन ना करें जब बिरसा मुंडा को सही श्रद्धांजलि होगी ।

नक्सली क्षेत्र पचामा दादर और घोंदी की बैगा महिलाओं ने पुलिस को बांधी राखी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भाई बहन के अटूट प्रेम और आस्था का प्रतीक त्यौहार रक्षा बंधन जिस दिन बहने भाइयों की कलाई में राखी और रक्षा सूत्र बांध कर उसकी सलामती और दीर्घायु की कामना करती है, और भाई भी जीवन भर बहन की रक्षा सुरक्षा और हर सुख दुख में साथ का वादा करता है,उकवा की सामाजिक संस्था द्वारा विगत बीस वर्षों से राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन कार्यक्रम कर नक्सली क्षेत्र में तैनात जवानों की सुनी कलाइयों में राखी और रक्षा सूत्र बांध कर उनकी सेवा हेतु पूरे क्षेत्र की तरफ से उनका शुक्रिया करते है। विभिन्न प्रांतों से आकर फोर्स के जवान नक्सली क्षेत्र में जंगलों और पहाड़ों में सेवा प्रदान करते है । इस वर्ष भी उकवा की सामाजिक संस्था सर्व धर्म सेवा समिति द्वारा रूपझर थाना परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें पहली बार अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र पचामा घोंदी की बैगा बहने रूपझर थाना पहुंची और अपने हाथों में राखी और थाल सजा कर पुलिस के जवानों को राखी और रक्षा सूत्र बांधा,जो अपने आप में एक मिशाल है। इनमें बहुत सारी महिलाएं ऐसी थी जिन्होंने जीवन में आज तक कभी किसी को राखी ही नहीं बांधी थी,परन्तु जिला पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की अद्भुत कार्यशैली ने आज लोगों के हृदय को छुआ और अब लोग भय मुक्त होकर पुलिस को अपना सच्चा साथी हमदर्द और भाई मान रूपझर थाना पहुंची महिलाओं ने प्रत्येक जवानों के माथे पर तिलक लगा राखी और रक्षा सूत्र बांधा। इतनी दूर से आई महिलाओं ने बताया कि हमारी उम्र गुजरने लगी ,पर न हमे घर का पट्टा मिला था,न हमारा कोई कागजात तैयार था, न कोई हमारा साथ देता था,और यदि कोई साथ दे भी तो पास में पैसे नहीं होते थे, कि हम अपना कोई दस्तावेज बना सके ,पर अब पुलिस के जवान हमारे घर आते है,हमारा सुख दुख पूछ कर हर संभव मदद करते है,चाहे इलाज करवाना हो या कोई कागज तैयार करना हो,या बच्चे का स्कूल में दाखिला करना हो,हर प्रकार से एक भाई की तरह हमारी मदद करते है,वो भी किसी पैसे के,इसलिए हम लोग इस बार पुलिस थाना पहुंच कर पुलिस के जवानों को अपना भाई मान उनको राखी बांधे और अब जीवन भर रिश्ता निभाएंगे। निश्चित ही पुलिस अधीक्षक की इस एकल सुविधा केंद्र की जितनी भी तारीफ करे कम होगा, और ऐसी पहल से सामुदायिक पुलिसिंग को अत्यधिक बल मिलेगा और जनता और पुलिस के मध्य एक अटूट रिश्ता कायम होगा,,आज रूपझर थाने में सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में हॉक फोर्स के डीएसपी संदीप बांगरे,थाना प्रभारी योगेंद्र दुबे,सीआरपीएफ निरीक्षक रूपेश कुमार सिंह,चौकी प्रभारी आकाश शर्मा, उपनिरीक्ष भूपत सिंह,धर्मेंद्र परमार, मायाराम सरोते, रौशन कुमार, बाबूलाल मीणा,आदि के साथ साथ केंद्रीय रिवर्ज पुलिस बल के जवान, हॉक फोर्स और जिला बल के जवान उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सामाजिक संस्था सर्वधर्म सेवा समिति के सचिव संतोष सोनी, नितिन कुमार,अखिल घरडे, नरेश बघेल, संदीप गजभिए, सुमित नंदेश्वर,डॉक्टर वाल्मीक बघेल,अमन गौतम, मासूम, प्रियांशु, आशीष नाग, बहनों में मुस्कान, आस्था, मानसी,तमन्ना,पलक, दीक्षा, अंजली, दिव्या, आंचल, सिंधु, नूपुर, एंजल आदि के साथ पचामा और गोंदी ग्राम से आई अनेक महिलाएं उपस्थित थी। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने किया।

ग्रामीण पुलिस ने 80 लीटर शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में बढ़ते शराब के अवैध कारोबार को लेकर पुलिस ने कार्यवाही तेज कर दी है। शनिवार को ग्रामीण पुलिस ने बाड़ी में छिपाकर रखी गई 80 लीटर कच्ची शराब को बरामद करने के साथ ही आरोपी नैतरा निवासी 28 वर्षीय युवक जितेन्द्र पिता सोबेलाल दमाहे को गिरफ्तार किया है ।थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने बताया कि अवैध शराब पर कार्यवाही को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश और मार्गदर्शन में सूचना पर कार्यवाही करते हुए नैतरा में एक घर में दबिश दी गई। जहां घर के पीछे बनी बाड़ी में आरोपी जितेन्द्र दमाहे ने 80 लीटर कच्ची शराब को विक्रय करने की मंशा से छिपाकर रखा था। जिसके पास से 80 लीटर शराब बरामद कर आबकारी एक्ट में उसे गिरफ्तार किया गया है ।बताया जाता है कि पहले तो पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा था, जिसे पुलिस ने घेराबंदी करके पक ?ा। जिसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने बाड़ी में छिपाकर रखी गई 80 लीटर कच्ची शराब बरामद की। जिसे पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। यहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। इस पूरी कार्यवाही में उनि. धर्मेन्द्र जौनवार, आरक्षक कृष्णकुमार पटले, शैलेष तेलंग और खिलेन्द्र राहंगडाले की भूमिका रही।

आवश्यकता है
एकाई मोटर्स महिन्द्रा डीलर
(बालाघाट ब्रांच में)
टीम लीडर एवं सेल्स एक्सीक्यूटिव्ह
बैहर, मलाजखण्ड, उकवा,
वारासिवनी एवं बालाघाट में
अनुभवी को प्राथमिकता है
(आकर्षक वेतनमान)
बॉयोडाटा के संपर्क करें
नोट-मोबाइल, गाड़ी और लाइसेंस अनिवार्य
-संपर्क-
8518888607, 8518888622
-पता-
एकाई मोटर्स, सरेखा बायपास बालाघाट

32 वर्षीय युवक की तालाब में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम महकेपार के टोलवारा तालाब में गांव के 32 वर्षीय युवक की लाश मिलने से सनसनी मच गई. शनिवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे के आसपास ग्रामीणों के द्वारा युवक के शव को तालाब के पानी में तैरते हुए देखा गया. गांव के तालाब में लाश मिलने की खबर

आग की तरह पूरे गांव में फैल गई और ग्रामीणों का हुजूम तालाब के पास आकर जमा हो गया. गांव के जागरूक जनों ने तालाब में लाश दिखाई देने की सूचना तत्काल महकेपार पुलिस चौकी को दी गई. सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को बरामद करने के बाद पीएम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी लेकर पहुंची और पीएम के बाद शव परिजनों के सुर्पूद कर दिया है. प्राप्त जानकारी अनुसार महकेपार के वार्ड क्रमांक 9 का निवासी अरविंद उर्फ सोनू पिता स्वर्गीय मनोहर सोनवाने शुक्रवार की शाम खेत की तरफ गया हुआ था जो देर शाम तक नहीं लौटा तो छोटे भाई और मां ने ग्रामीणों के साथ उसकी तलाश की लेकिन पूरी रात तलाश के बाद भी कहीं कोई पता नहीं चला. शनिवार की सुबह अरविंद का शव गांव के ही तालाब में तैरता हुआ दिखाई दिया. अनुमान लगाया जा रहा है कि तालाब की पार से खेत की तरफ जाते वक्त पैर फिसलने की वजह से अरविंद तालाब में गिर गया होगा और फिर वापस बाहर नहीं आ पाया जिस कारण पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई है. हालांकि यह केवल प्रारंभिक अनुमान है पुलिस जांच के बाद ही घटना कैसे हुई इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो पाएगी. फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच विवेचना शुरू कर दी है।

विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया

रैली निकालकर सांस्कृतिक कार्यक्रमो का हुआ आयोजन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के समीप ग्राम हेटी कनेरी में 09 अगस्त 2025 को विश्व आदिवासी दिवस को बड़े हर्ष और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। जल, जंगल, जमीन के संरक्षण में सदियों से सदैव तल्लीन, प्रकृति के सच्चे सेवक आदिवासी भाई, बहन को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ग्रामीणों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में नाच गाना करते हुए विभिन्ना प्रकार के नित्य क्रियाओं के साथ एक विशाल रैली निकाली गई जो किरनापुर के विभिन्न चौक चौराहे होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। इस कार्यक्रम में दूर दराज से आए हुए सभी आदिवासी महिलाओं व पुरुषों नवयुवकों ने विश्व आदिवासी जननायक बिरसा मुंडा, राजा रघुनाथ शाह, शंकर शाह व संविधान शिल्पकार डॉ.भीमरावं आम्बेडकर के छायाचित्र पर फूल माला अर्पित कर व बड़ा देव कका पूजन किया गया। उल्लेखनीय है कि बीते 13 वर्षों से इस स्थान पर कार्यक्रम किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सम्माननीय अध्यक्ष पुरनलाल कारें, फूलसिंह उइके ,शालिकगराम उइके, वाय. रामटेके ,भागचंद मरावी, तिलक टेकाम, परदेसी उइके, अशोक घोर मारे ,पतिराम उइके, दुली राम उइके ,शिवलाल उइके, राजकुमार ,बेलन इनवाती, प्रमिला उइके, श्याम कली उइके, रसीलाबाई उइके , पी आर गजभिए ,सूरज लाल पन्द्रे,कृपाल टेकाम ,तुलाराम सोनवाने, आई एल नायक, यीशु लाल कावरे, तिलक चंद खंडवाहे, मीना उईके, सूरज लाल सोनवाने सुबेलाल उईके सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा विश्व आदिसियों क्षेत्रवासियों को सौगात देते हुए आदिवासियों को अपना अधिकार कर्तव्य और नीति के बारे में बताया और हमारे क्षेत्र के आदिवासियों के साथ कैसे शोषण किया जा रहा है हमारे आदिवासी भाई बहनों को शिक्षित होकर समाज उत्थान में कार्य करने प्रेरित किया जिससे कि कोई भी आदिवासीओ का गलत तरीके से फायदा ना लें सके और इसके चलते हुए हमारे आदिवासी समाज को आदिवासी का लाभ नहीं

मिल पा रहा है ।आदिवासी समाज को आदिवासीयो के का पूरा अधिकार मिल सके विश्व आदिवासी दिवस के अध्यक्षता में सम्माननीय सदस्य गण हमारे क्षेत्र के अशिक्षा नीति और स्वास्थ संबंधित पर भी बहुत ही कटु शब्दों में क्षेत्रवासियों को संबोधित किया। वही अंत में आदिवासी समाज के प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। वही कार्यक्रम अध्यक्ष ने इस दौरान आये हुए आदिवासियों का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया गया।

स्थान परिवर्तन
मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा
संपर्क नं- 9425138797

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मिठाई दुकानों का किया निरीक्षण

प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे खाद्य सामग्री के नमूने

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश एवं सीएचएमओ डा परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट की टीम द्वारा 08 अगस्त को बालाघाट नगरीय क्षेत्र की प्रमुख मिठाई दुकान वैशाली राजपुरोहित स्वीट्स, कलश स्वीट्स, शगुन स्वीट्स एवं अन्य प्रमुख मिठाई विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों से मलाई बर्फी, खोवा बर्फी कलाकंद, मिल्क केक, छेना आदि के नमूने एकत्र कर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है । निरीक्षण के दौरान खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों के संचालकों को स्वच्छता पूर्वक मिठाइयों का निर्माण कर हाईजेनिक तरीके से रखरखाव तथा विक्रय करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान निर्देशित किया गया कि खुले में मिठाई एवं खाद्य सामग्री का प्रदर्शन ना करें इस पर प्रतिबंध है। इस दौरान निर्देशित किया गया कि खाद्य सामग्री का निर्माण स्वच्छता बनाए रखते हुए गुणवत्ता के साथ करे और गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री का ही विक्रय हो । निरीक्षण के दौरान अस्वच्छता और गंदगी पाए जाने पर दो मिष्ठान भंडार को सुधार के लिए कारण बताओ सूचना जारी किया गया ।संपूर्ण कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहिब, योगेश डोंगरे एवं गीता टांडेकर उपस्थित रहे।

किसानों से रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करने की अपील

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने जिले के किसानों से अपील की है कि रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करें। खेतों में पर्याप्त नमी होने, वर्षा जल होने या सिंचाई के साधन उपलब्ध होने पर ही रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करें। इस संबंध में की गई अपील में कहा गया है कि वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि जिले में वर्षा कुछ दिनों से कम हो रही है। ऐसे समय में किसान भाई फसल में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कर रहे है, जिससे फसलों में पानी की मांग अधिक बढ़ जाती हैं। किसान भाइयो को सलाह है कि ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग किया जाए ।जिससे फसलों को उचित पोषक तत्वों की पूर्ति बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के उपलब्ध हो सकेगी। रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भूमि में पर्याप्त मात्रा में नमी होने, वर्षा जल होने या सिंचाई के साधन उपलब्ध होने पर ही प्रयोग करें।

केशलेवाड़ा के विजय रहांगडाले मुर्गी पालन, मत्स्य पालन के साथ कर रहे हैं धान की खेती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विकासखंड के ग्राम केशलेवाड़ा के युवा कृषक विजय रहांगडाले जिले के अन्य किसानों के लिए एक मिसाल बन कर उभर रहे हैं। विजय रहांगडाले मुर्गी पालन, मत्स्य पालन के साथ ही धान और केले की खेती कर किसानों को संयुक्त खेती की नई राह दिखा रहे हैं। विजय रहांगडाले ने अपने खेत में मुर्गी पालन के लिए पोल्ट्री फार्म लगाया हुआ है। अब उसने पोल्ट्री फार्म के करीब ही मत्स्य पालन के लिए टैंक बना लिया है और उनमें रोहू, कतरा, मृगल और रूपचंदा प्रजाति की मछलियों का बीज डाला है। विजय ने अपने खेत में धान की फसल लगाई है और मेड़ के किनारे केले के पौधे लगाए हैं। पोल्ट्री फार्म से निकलने वाली मुर्गियों की बीट का उपयोग मछलियों के चारे के रुप में करने के साथ ही धान के खेत में खाद के लिए भी किया जा रहा है। विजय ने बताया कि इस संयुक्त खेती से उसे एक साल में 25 से 30 लाख रुपए की आय हो रही है। उन्होंने किसानों से कहा है कि केवल धान की खेती पर निर्भर ना रहें। धान के साथ पोल्ट्री फार्म, मत्स्य पालन और फलों की खेती भी करें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

अधिकार रैली निकालकर समाज ने मांगा हक अधिकार, विभिन्न चौक चौराहो में किया सामूहिक नृत्य, तो विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आदिवासियों की विशिष्ट जीवन शैली के महत्व को बरकरार रखने के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ की घोषणा के अनुरूप केवल भारत देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में 9 अगस्त के दिन को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है।जहां आदिवासियों की सभ्यता, उनकी संस्कृति, वेशभूषा और उनके अधिकारों के संरक्षण की बात दोहराकर उनके हक, अधिकारों को लेकर जन जागरूकता देने के साथ-साथ आदिवासियों के योगदान को भी याद किया जाता है।इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 9 अगस्त शनिवार को जिला मुख्यालय सहित तहसील व ग्रामीण अंचलों में विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आदिवासी समुदाय के लिए समर्पित इस दिन विशेष पर आदिवासी समाज द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जिसका मुख्य समारोह नगर मुख्यालय में आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों में आदिवासी समुदाय द्वारा नगर में निकाली गई अधिकार रैली मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रही।

गोगो पूजा से हुई कार्यक्रम की शुरुवात

आदिवासी बाहुल्य, बालाघाट जिले में आदिवासी समाज ने 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाया। विश्व आदिवासी दिवस पर शनिवार की सुबहा वारासिवनी रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक में गोंगो पूजन का आयोजन कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई जिसके बाद सामाजिक रैली निकाली गई जिसमें आदिवासी समाज अपने पारंपरिक वेशभूषा में नजर आया।9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गोंगो पूजा, नगर भ्रमण, संवैधानिक अधिकार रैली, महापुरुषों के छाया चित्र पर माल्यार्पण, अतिथियों का सम्मान, सांस्कृतिक और मंचीय कार्यक्रम, के आलावा उद्बोधन और पुरस्कार वितरण सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जो सुबह से लेकर देर शाम तक चलते रहें।इस दौरान गोंड समाज, परधान समाज ,कोल समाज, माना समाज, हल्बा समाज, कंडरा समाज, बिझवा समाज,बैगा समाज, ओझा समाज,ओतकरी समाज ,भारिया समाज, नगारची समाज, गोंडी लुहार समाज सहित समाज के विभिन्न वर्गों, संगठनों उनके पदाधिकारी सदस्यों सहित सभी सामाजिक बन्धु प्रमुख रूप से सभी कार्यक्रमों में पारंपरिक वेशभूषा साधारण कर शामिल हुए।

अधिकार रैली रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आदिवासियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन मुख्यालय में किया गया। दोपहर 01बजे कार्यक्रम स्थल वीरांगना रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन से सामाजिक रैली निकाली गई। जिसे अधिकार रैली का नाम दिया गया। इस रैली में शामिल आदिवासी समाज के लोग हाथों में अपनी मांगों की तख्तियां लिए नजर आए,तो वहीं उन्होंने आंबेडकर चौक में गोल घेरा बनाकर सामूहिक रूप से पारंपरिक आदिवासी नृत्य पेश किया जहां पेश किया गया पारंपरिक नृत्य और अधिकार रैली मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रही।

समाज के उत्थान की ज्यादातर योजनाएं कागजों में है

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमो की जानकारी देते हुए मप्र आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे सहित अन्य वक्ता व अतिथियों ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस को पर्व के रूप में जिले का आदिवासी समाज मनाता आ रहा है, लेकिन यह विडंबना है कि बड़े राजनीतिक दलों की सरकारों के बावजूद प्रदेश और जिले के आदिवासी, मुख्यधारा से आज तक जुड़ नहीं पाये है।आज भी आदिवासियों के उत्थान और विकास की योजनायें, कागजो पर ज्यादा है, जबकि धरातल पर योजनाए नहीं पहुची है।सभी योजनाओ का लाभ भी समाज के लोगो को नही मिल रहा है।जिससे आदिवासी समाज, आज भी वंचित और पिछड़ापन का शिकार है।आजादी के 75 से अधिक साल बीत जाने के बावजूद भी आज भी आदिवासी समाज, समस्याओं से ग्रसित है।आदिवासियों में विश्व आदिवासी दिवस की खुशी के साथ ही नाराजगी भी है, नाराजगी इस बात की, कि आदिवासियों पर अत्याचार थमने का नाम नही ले रहा है। आदिवासी क्षेत्र में वन और खनिज संपदा के भंडार को सरकार आदिवासियों से छिनकर पूंजीपतियों के हाथो में सौंपना चाहती है।अधिकार रैली के माध्यम से उन्ही हक अधिकारो को मांगा जा रहा है।

सर्ववर्गीय कलार समाज ग्राम समिति

रामपायली युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष बने आशीष

ग्राम समिति का विस्तार करने बैठक कर किया गठन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सर्ववर्गीय कलार समाज युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल द्वारा संगठन में युवाओं को जोड़ने व संगठन को मजबूती प्रदान करने कलार समाज के युवाओं की बैठक लेकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार की रात ग्राम पंचायत रामपायली में कलार समाज ग्राम समिति युवा प्रकोष्ठ की बैठक आहूत की गई जिसमें सर्व सम्मति से ग्राम रामपायली युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से आशीष बिजेवार को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर कृष्णा पालेवार, कोषाध्यक्ष बलराम डोहरे, उप कोषाध्यक्ष आशीष पालेवार, महेंद्र पालेवार, सचिव उदेश्य डहरवाल, सहसचिव धनीराम धुवारे, संरक्षक विशाल बारेवार, मीडिया प्रभारी सक्षम पालेवार, विजय सोनबिरसे को नियुक्त किया गया।

समाज के हित में हमेशा कार्य करने का रहेगा प्रयास- आशीष

इस दौरान नव-नियुक्त रामपायली युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशीष बिजेवार ने बताया कि सर्ववर्गीय कलार समाज के जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल द्वारा मुझ पर विश्वास कर जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका बखूबी पूरी ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। समाज के हित में हमेशा कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही ग्राम समिति युवा प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति कर संगठन का विस्तार किया जाएगा। इस दौरान सर्ववर्गीय कलार समाज के जिलाध्यक्ष अभिषेक जायसवाल व युवा प्रकोष्ठ के जिला कोषाध्यक्ष रोहित केकतीकर, संदीप तिलासा, सागर बिठले सहित अन्य उपस्थित रहे।

बाघ की मौत वाला मामला

विधायक ने विधानसभा में उठाया मुद्दा, डीएफओ पर कार्यवाही की करी मांग

तो वन्यजीव प्रेमी ने, विभागीय टीम की बजाय डब्ल्युसीसीबी से जांच की मांग को लेकर लिखा पत्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कान्हा-पेंच कॉरीडोर हिस्से के, सोनेवानी अभ्यारण्य में पिछले दिनों हुई बाघ की संदेहास्पद मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 27 जुलाई कि इस घटना को लेकर प्रशासनिक जांच टीम और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यवाही पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं जहां व्हाट्सअप में मृत बाघ की फोटो सामने आने के बाद से बाघ की संदेहास्पद मौत और उसे बिना प्रोटोकॉल के जलाने का मामले उजागर हुआ था। जिसकी गूंज विधानसभा में भी सुनाई दी। विधायक अनुभा मुंजारे ने इस मामले को विधानसभा में उठाते हुए बाघ की संदेहास्पद मौत को हत्या बताते हुए डीएफओ अधर गुप्ता पर सरकार से कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं मामले में जांच कर रही एसटीएसएफ की जांच पर वन्यजीव प्रेमी ने सवाल खड़े करते हुए मामले की जांच डब्ल्युसीसीबी (वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो) से कराए जाने के लिए ब्यूरो एडीशनल डायरेक्टर को पत्र लिखा है।फिलहाल, बाघ की रहस्यमय मौत की गुत्थी, अब तक नहीं सुलझ सकी है, वहीं मामले की जांच कर रही एसटीएसएफ भी कोई जानकारी मीडिया से साझा नहीं कर रही है।

आए दिन सुर्खिया बटोर रहा मामला

आपको बताए कि 2 अगस्त को व्हाट्सअप में मृत बाघ की फोटो आने के बाद, यह मामला खुला और आनन-फानन में मामले में वनविभाग की टीम ने 8 आरोपियों के खिलाफ वनअपराध दर्ज करते हुए 6 वनसुरक्षा श्रमिक चौकीदारों को गिरफ्तार किया था। जबकि डिप्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे, अभी भी फरार है।वहीं 5 अगस्त को मामले में गिरफ्तार किए गए सभी 6 वनसुरक्षा श्रमिक चौकीदारो को 11 अगस्त तक रिमांड पर लेकर एसटीएसएफ मामले की पूछताछ में जुटी है, मामले में एसटीएसएफ की जांच कहां पहुंची और अब तक जांच में उसे क्या मिला, इसकी कोई जानकारी एसटीएसएफ, बालाघाट की मीडिया को नहीं दे रही है।

डब्ल्युसीसीबी से कराइ जाए मामले की जांच

उधर मामले की जांच कर रही एसटीएसएफ की जांच पर वन्यजीव प्रेमी अभय कोचर ने सवाल ख ? करते हुए मामले की जांच के लिए वाईल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो को पत्र लिखा है। वन्यजीव प्रेमी ने ना केवल इस बाघ की मौत, बल्कि विगत 15 माह में सोनेवानी अभ्यारण्य क्षेत्र में ही एक तेंदुए और बाघ के शव को भी, इसी तरह ठिकाने लगा दिए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। वन्यजीव प्रेमी अभय कोचर ने आरोप लगाया कि पहले इस मामले को छिपाने के लिए एसआईटी गठित की गई और उसके बाद वनविभाग के अधिनस्थ संस्था स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स कर रही है। जो विभागीय संस्थाएं होने के कारण, अपने उच्च अधिकारियों को बचाने, साक्ष्य मिटाने और जांच की दिशा को भ्रमित करने का कार्य करेंगी। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए जरूरी है कि इसकी जांच वाइल्ड लाइफ क्राईम कंट्रोल ब्यूरो से कराई जाए।

जेल में बंद भाई से मिलने बेताब नजर आई बहने

दीदार होते ही दोनो के छलक पड़े आंसू, रिहाई की दुवाओ के साथ बांधी राखी, भाइयो ने भी दोबारा अपराध नही करने का दिया वचन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भाई बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व ,जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां इस पर्व विशेष पर शनिवार को जिला जेल बालाघाट में भी काफी रौनके देखने को मिली।वही नगर के जिला जेल से कई मार्मिक नजारे भी सामने आए।जहां इस पर्व विशेष पर जेल में बंद अपने भाई से मिलने के लिए बहने बेताब नजर आई, तो वही भाई के हाथों में राखी बांधने के लिए, जिला जेल के बाहर बहनों की लंबी कतारे देखने को मिली।जहां कड़ी सुरक्षा के बीच बहनों द्वारा लाई गई सामग्रियों की जांच पड़ताल के बाद उन्हें भाई से मिलने जेल के भीतर भेजा गया। जहां लंबे समय बाद अपने भाई का दीदार कर उनकी आंखे भर आई।वही लम्बे समय बाद बहन का दीदार होने पर भाई -बहन दोनों की आंखों से खुशी के आंसू झलकने लगे।जिला जेल के भीतर भाई बहन के इस दृश्य ने हर किसी को आकर्षित किया। उधर बहनों ने भाई को अपने सामने बैठकर उसका हाल-चाल जाना, विधि विधान के साथ सर पर रुमाल रख, माथे पर टीका लगाकर, उनकी जल्द रिहाई और दुर्घायु की कामनाओ के साथ भाई की सुनी कलाई में राखी बांधी तो वही भाई ने भी राखी के पर्व विशेष के इस मौके पर दोबारा अपराध न करने का बहन को वचन दिया।

भाई को जेल में पाकर रो पड़ी बहने

भाई बहन के पवित्र बंधन का त्योहार रक्षाबंधन जिला जेल में भी मनाया गया। जेल में कैद भाइयों को बहनों ने राखी बांधी। जहां भाई को जेल बंद देखकर बहन की आंखें भर आई तो वहीं, बहन से राखी बंधवाकर भाई भी अपनी बेबसी पर रो पड़े। बहनों ने भाई से दोबारा अपराध नहीं करने का वचन लिया तो भाई ने भी वचन निभाने की बात कही।वही बहने भगवान से प्रार्थना करती रही कि भाई जल्द जेल से रिहा हो और परिवार में रहे।

सुबह से ही जिला जेल के बाहर लगी थी कतार

उधर पर्व विशेष पर जेलों में भी रक्षाबंधन पर्व मनाने की सुविधा जेल प्रशासन की ओर से दी गई थी। जिसको देखते हुए सुबह से ही बहनों का जिला जेल पहुचना शुरू हो गया था। जहां लम्बे समय बाद भाई के दीदार के लिए बहने सुबह से ही लंबी कतार में खड़ी हुई नजर आई। उधर जेल के भीतर भाई को देखते ही बहनो की आंखें भर आई।वहन ने भाई को तिलक कर राखी बांधी और मुंह मीठा करवाया। रक्षाबंधन पर जेल में काफी भावनात्मक नजारा दिखाई दिया।जहा जेल में कैद भाई की कलाई पर राखी बंधने की खुशी से ज्यादा बहनों को दुख भाई को जेल की सलाखों के पीछे देखकर हुआ।

जेल विभाग से मिले निर्देशों के तहत कराई जा रही मुलाकात -सहलाम

जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन जेल विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि इस पर्व विशेष पर जेल में बंद भाई से यदि उनकी बहने मिलने आती है तो उनकी प्रत्यक्ष मुलाकात कराई जाए, जेल की सुरक्षा व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए हैं जिसके चलते खान-पान की वस्तुओं सहित अन्य सामग्रियों की विशेष चेकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला जेल में 195 पुरुष और 20 महिलाएं, ऐसी कुल 215 कैदी हैं। जो 20 महिला कैदी है उनके भाई उनके बच्चे भी मिलने आए हैं जिसे भी उनकी मुलाकात कराई जा रही है।

खेत में खाद छिड़काव करते समय सांप ने डसा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बरसाती सीजन में सर्पदंश की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है।इन्हीं घटनाओं के बीच ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगी में, खेत में खाद का छिड़काव कर रहे एक युवक किसान को जहरीले सांप ने डस लिया। सर्पदंश का शिकार हुए युवक का नाम ग्राम कटंगी निवासी 26 वर्षीय अनिल पिता चेतन सोनवाने बताया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह ग्राम कटंगी निवासी अनिल सुबह 09 बजे खेत में धान की फसल पर खाद छिड़काव कर रहा था। इस दौरान दाहिने पैर में एक अज्ञात सांप ने उसे डस दिया। जिसकी जानकारी उसने अपने साथ में गए युवक को दी।जिसकी तबीयत खराब होने पर उसके परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए, जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी

सोलर मोटर पंप चोरी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

किरनापुर पुलिस की कार्यवाही, 2 दिनों के भीतर मामले का खुलासा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगी में तीन दिन पूर्व 6 अगस्त की रात्रि करीब 10:30 बजे किन्हीं अज्ञात चोरों द्वारा स्थानीय निवासी रोहित दमाहे के खेत स्थित बोरवेल में लगा सोलर मोटर पंप चोरी कर लिया गया था।जिसकी शिकायत उन्होंने मामले के दूसरे दिन 8 अगस्त को किरनापुर थाने में की। जहां रोहित दमाहे की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच करते हुए मामले से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिनके पास से सोलर मोटर पंप जिसकी कीमत 25,000 रु जप्त किया है।चोरी के इस मामले में पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों में कोमल पिता स्व. चरणदास वैष्णव उम्र 30 वर्ष निवासी बूढ़ी, थाना हट्टा, निकेश पिता दुलीचंद मेश्राम उम्र 23 वर्ष निवासी बूढ़ी थाना हट्टा और अनुराग पिता राजेश लांजेवार उम्र 22 वर्ष निवासी बूढ़ी थाना हट्टा का समावेश है।थाना किरनापुर में आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 285/2025 धारा- 303 (2) भारतीय न्याय संहिता का पंजीबद्ध किया गया है। जिन्हें न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

मोटर सुधारने वाले ने खोला राज

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी की शिकायत के आधार पर थाना किरनापुर में अपराध क्रमांक 285 / 2025 धारा 303 (2) भारतीय न्याय संहिता पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया था।जहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना किरनापुर पुलिस टीम ने तत्काल कार्यवाई करते हुये मोटर पम्प रिपेयरिंग करने वाले संदिग्ध कोमल वैष्णव निवासी बूढ़ी थाना हट्टा को हिरासत में लिया।जिससे पूछताछ में कोमल वैष्णव ने अपने साथी निकेश मेश्राम एवं अनुराग लांजेवार (दोनों निवासी बूढ़ी) के साथ मिलकर सोलर मोटर पंप चोरी करना स्वीकार कियाआरोपियों की निशानदेही पर सोलर मोटर पंप कीमत लगभग 25,000/- बरामद कर आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी किरनापुर निरी. अशोक नगमा, सउनि उमेश मिश्रा, प्रआर. तोप्पेंद्र कावरे, आर. अनिल राणा, आर. राघवेंद्र ठाकुर, सैनिक यशवंत गबने की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

सर्व आदिवासी समाज ने धूमधाम से मनाया विश्व आदिवासी दिवस

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान, विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में सर्व आदिवासी समाज लालबर्रा के तत्वाधान में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों एवं स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम जनपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित शहीद बिरसा मुंडा आदिवासी सामुदायिक भवन में क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आये सर्व आदिवासी समाज के लोगों ने प्रात: 11 बजे बड़ादेव की विधि-विधान से पूजा अर्चना की एवं गोंडवाना साम्राज्य के महान क्रांतिकारियों को नमन कर झंडा वंदन किया गया। जिसके पश्चात् ढोल-शहनाई, डीजे की धुन पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान पारम्परिक वेशभूषा धारण किये हुएआदिवासी समाज के लोगों के द्वारा नाचते गाते हुए मानपुर पुल, बस स्टैण्ड व हाई स्कूल मार्ग होते हुए कार्यक्रम स्थल राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर पहुंचे। जहां मंचीय कार्यक्रम के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये और प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। आपकों बता दे कि इस विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा आदिवासी संस्कृति की झलक सभी सर्व आदिवासी समाज के लोगों में दिखाई दी और आदिवासी गीतों पर सभी ने जमकर नृत्य भी किया। राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में मंचीय कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक बंधुओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी ही इस विश्व के मूल निवासी है जिनकी अपनी वेशभूषा, संस्कृति, भाषा व जीवनशैली है और हम लोग प्रकृति पूजक है, प्रकृति ही हमारा भगवान है परंतु विगत कई वर्षों से हमारी संस्कृति व समुदाय में संकट के बादल छा रहे थे। हमारी संस्कृति धीरे धीरे विलुप्त हो रही थी और संपूर्ण विश्व के आदिवासी समुदाय की संस्कृति को बचाने के लिये ही संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस घोषित किया गया है। तब से ही हम सभी आदिवासी समुदाय के लोग अपनी संस्कृति को जन जन तक पहुंचाने उन्हे इससे अवगत करवाने के लिये यह विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते आ रहे है। हम इस दिवस के माध्यम से लोगों को हमारी संस्कृति से परिचित करवाना चाहते है। इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी एवं स्वाजातीय बंधु उपस्थित रहे।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन ने किया हलवा का वितरण

राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित मंचीय कार्यक्रम में भीम आर्मी भारत एकता मिशन सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों ने विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे आदिवासी भाई-बहनों को हलवे व नींबू पानी का वितरण किया और विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है।

कांग्रेसियों ने शर्बत का किया वितरण

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को आदिवासी समाज के द्वारा डीजे की धुन पर भव्य रैली निकाली गई थी। इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी जिला महामंत्री ज्ञानचंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियों के द्वारा मानपुर पुल के समीप रैली में शामिल आदिवासी भाई-बहनों को शर्बत का वितरण कर विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दिये। इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी जिला महामंत्री ज्ञानचंद शर्मा, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, डीपी सिलेकर सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

दुर्गावाहिनी महिला संगठन की बहनों ने पुलिसकर्मी एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बांधी राखी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन 9 अगस्त को पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्थाओं के साथ धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में विश्व हिन्दु परिषद की दुर्गावाहिनी महिला संगठन की बहनों के द्वारा रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर 9 अगस्त को लालबर्रा थाना एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा पहुंचकर रक्षासूत्र (रक्षाबंधन) का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी एवं अस्पताल में बीएमओं डॉ. ऋतु धुर्वे व दुर्गावाहिनी महिला संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम दुर्गावाहिनी महिला संगठन की महिला एवं युवतियों ने थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी सहित अन्य पुलिसकर्मियों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों को कुमकुम चंदन का तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधे तत्पश्चात मुंह मीठा कर आरती उतारकर दीर्घायु की कामना की। वहीं पुलिसकर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हे उपहार भेंट कर आशीर्वाद देकर सदैव रक्षा करने का वचन दिये। चर्चा में दुर्गावाहिनी महिला संगठन लालबर्रा प्रखण्ड संयोजिका रश्मि एड़े ने बताया कि देश के सैनिक एवं पुलिसकर्मी भाई है वे हमारे सुरक्षा एवं देश की रक्षा के लिए कोसो दूर रहकर ड्यूटी करते है और अपनी कर्तव्य, निष्ठा, देशभक्ति के चलते इस भाई-बहन के अटूट प्रेम के महापर्व रक्षाबंधन पर्व पर वे अपने परिवार व बहनों से दुर रहते है। घर नही जा पाते है इसलिए आज हम सभी महिला बहने पुलिसकर्मियों एवं अस्पताल में चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों के हाथों में रक्षासूत्र राखी बांधे है और उनकी दीर्घायु की कामना की गई है। ताकि इस भाई-बहन के पर्व पर उनकी कलाई सुनी न रह सके क्योंकि वे भी देश की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते है और दोनों स्थानों पर रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर दुर्गावाहिनी महिला संगठन लालबर्रा प्रखण्ड संयोजिका रश्मि एडे, शानू एडे, मिताली पटले, स्वाति बिसेन, खुशी चन्द्रवार, मुस्कान पटले, मोना बिसेन, नूपुर पटले, प्रकाश राहंगडाले, संदीप पटले, दिशु तिवारी, प्रवीण पसीने, सुनील चकोले सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं दुर्गावाहिनी की बहने उपस्थित रहे।

सर्राटी जलाशय की माइनर नहरों की साफ-सफाई करवाये प्रशासन - फिरोज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। आम आदमी पार्टी के जिला सहप्रभारी फिरोज नियाजी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली माइनर नहर रामजीटोला सहित अन्य माइनर नहरों की लंबे समय से साफ-सफाई नही होने के कारण झाड़ियां उग चुकी है एवं कुछ स्थानों से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसके कारण क्षेत्रीय किसानों को नहर का पानी सिंचाई के लिए नही मिल पा रहा है। जिससे किसानों के खेतों में लगी धान की फसल प्रभावित हो रही है। श्री नियाजी ने बताया कि सर्राटी जलाशय से निकली टेकाड़ी ला. से रामजीटोला माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण निर्माण किया गया है ताकि क्षेत्रीय किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके। लेकिन नहर की साफ-सफाई नही होने से जगह-जगह कचरा जमा हो चुका है और कुछ स्थानों से सीमेन्टीकरण निर्माण नही होने पर उक्त स्थान की मिट्टी बहकर जमा हो चुकी है। जिसके कारण नहर का पानी टेल क्षेत्र तक नही पहुंच पा रहा है। ऐसी स्थिति में पांढरवानी, उदासीटोला, रामजीटोला, आमाटोला के किसानों के खेतों तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा है। वहीं विगत दिवस से क्षेत्र में तेज बारिश नही हो रही है ऐसी स्थिति में पानी के अभाव में किसानों की फसल प्रभावित हो सकती है। जबकि किसान जल संसाधन विभाग को प्रतिवर्ष जल टैक्स भी देते है, उसके बाद भी प्रशासन के द्वारा नहरों की साफ-सफाई नही करवाई गई है जिसके कारण उक्त समस्या उत्पन्न हो रही है। जल संसाधन विभाग से मांग है कि टेकाड़ी ला. से रामजीटोला माइनर नहर की साफ-सफाई एवं जिस स्थान से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है उसका जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

बुट्टा ह. में सर्वआदिवासी बिंझवार समाज ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बोट्टा ह. में सर्व आदिवासी बिंझवार समाज के द्वारा 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम आदिवासी बिंझवार समाज अध्यक्ष मुन्ना गौतम की अध्यक्षता एवं सरपंच सी.के. बघेल के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने शहीद वीर नारायण सिंह जी बिंझवार एवं कुलदेवी माँ विंध्यवासिनी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संगठित होकर देश व समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने की बात कही। इस अवसर पर बस्ताराम बोरकर, अरूण बोरकर, छन्नु गौतम, जैयचंद बनोटे, छत्रपाल हटेवार, नेतलाल सपाटे, प्रमोद सपाटे, बाबा चौहान, सुनिल किब्बे, सुनराज हटेवार, धनराज डोंगरे, निलम गाडेश्वर, अशोक बोरकर, मुन्ना टेंभरे, लकेश घोटीवार व बुध्दराम बुकेवार सहित अन्य स्वाजातीय बंधु उपस्थित रहे।

भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना

बहनों ने तिलक लगाकर भाईयों की कलाई पर बांधी रक्षासूत्र, धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का प्रतीक महापर्व रक्षाबंधन 9 अगस्त को पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्थाओं एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व पर राखी व मिठाई की दुकानों में बहनों व भाइयों की भारी भीड़ नजर आई एवं दिन भर बाजार में लोगों की आवाजाही के कारण चहल पहल बनी रही। सावन माह के अंतिम दिन रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है। इस पावन पर्व पर बहनों ने शुभ मुहूर्त पर भाईयों को कुमकुम चंदन का तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा एवं उनके दीर्घायु जीवन की कामना की तत्पश्चात मुंह मीठा करते हुए भाईयों की आरती उतारी। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को यथाशक्ति उपहार भेंट कर सदैव उनकी रक्षा करने का वचन दिया। इस भाई-बहन के अटूट प्रेम का महापर्व में सबसे 'यादा उत्साह छोटे ब'चों में देखने में आया जिन्होने रंग बिरंगी राखियों से अपनी कलाइयों को सजवाया। साथ ही रक्षाबंधन की पूर्व रात्रि में बहनों व महिलाओं ने अपने हाथों को मेंहदी से भी सजाया। आपकों बता दे कि रक्षाबंधन पर्व पर सुबह से ही लालबर्रा मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में तेज धुप व उमस भरी गर्मी का एहसास शाम 4 बजे तक हुआ। जिसके बाद अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं बादल गर्जन के साथ रिमझिम बारिश भी हुई। जिससे लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं नगर मुख्यालय के विश्राम गृह से लेकर थाना तक आने-जाने वाले लोगों की भीड़ एवं बड़े वाहनों के गुजरने के कारण बार-बार जाम की स्थिति भी निर्मित होते रही। जिससे एक-दुसरे के घर जाने वाले भाई-बहनों को परेशान भी होना पड़ा। साथ ही रक्षाबंधन पर्व मनाने हेतु दिन भर मुख्य मार्ग सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाई अपनी बहनों को मोटरसाइकिलों में लाते-ले जाते नजर आये एवं चारों ओर टीका लगाये हुए लोगों के कारण माहौल धार्मिक होता रहा। वहीं बहनों ने अपने भाईयों के साथ मार्केट में पहुंचकर श्रृंगार सामग्री, मेहंदी व चूड़ी सहित तमाम तरह की वस्तुओं की खरीददारी भी की।

बसों में भीड़, राखियों की दुकान व बाजार रहा गुलजार

भाई-बहनों के अटूट प्रेम का महापर्व रक्षाबंधन पर्व को लेकर शनिवार को सुबह से ही बसों में भीड़ रहने के साथ ही राखियों की दुकान व बाजार गुलजार रहे। साथ ही सुबह से ही बस स्टैण्ड में महिलाओं की भीड़ एकत्रित होनी शुरू हो गई थी और बसों में भीड़ रहने के बाद भी वे भाईयों के घर जल्दी पहुंचने के चक्कर में बसों व ऑटों में बैठकर जाने के लिए तैयार हो गये। साथ ही बस चालक व कंडेक्टर ने भी क्षमता से अधिक सवारी लिये। जिससे यात्रियों को भी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा परन्तु वे भी किसी प्रकार का विरोध करते नजर नही आये क्योंकि उन्हे भी अपने गंतव्य की ओर जाना जरूरी था। पर्व के मद्देनजर सभी बसें ठसाठस यात्रियों से भरी नजर आई और उनके आने-जाने का समय भी परिवर्तित होने के कारण महिलाओं को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा।

सेवानिवृत्त एएनएम गीता हरिद्वाज को दी गई विदाई

अस्पताल में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गत दिनों विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋतु धुर्वे की अध्यक्षता एवं सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती गीता हरिद्वाज सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋतु धुर्वे एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती गीता हरिद्वाज का तिलकवंदन करने के बाद शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर उ'जवल भविष्य की कामना करते हुए विदाई दिये। आपकों बता दे कि सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती गीता हरिद्वाज ने 1986 से निरंतर स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दी और 31 जून 2025 को 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो चुकी है। इस तरह उन्होने 39 वर्षों तक स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दी है और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ देने के साथ ही उनके द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया और स्वास्थ्य विभाग में उन्होने अपनी एक अलग पहचान बनाई। उनके द्वारा समर्पित भाव से स्वास्थ्य विभाग में दी गई सेवाओं से प्रभावित होकर उनके सहयोगी स्टाप के द्वारा गत दिनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हे विदाई देकर उनका स्वागत-सत्कार व सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया दंत चिकित्सक, जे.के. पंचेश्वर ए.एम.ए, के. अजीत एल.एच.वी., बी. बोपचे बी.पी.एम., रमेश रजक सुपरवाइजर, एच.एल. पटले एमपीडब्ल्यू, आर. राणा ए एन एम, एम. मेश्राम ए एन एम, अनिता बिसेन एएनएम, कादाबनी मरकाम एएनएम, ऋषि डहारे एम पीडब्लू एवं सुपरवाइजर, सेक्टर सुपरवाइजर, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, आशा सहयोगिनियों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस मे आदिवासी सगा समाज ने निकाली विशाल रैली

परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने विश्व आदिवासी दिवस पर परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के समस्त आदिवासी सगा समाज रैली मे पहुंचकर दी बधाई

लामता(पद्मेश न्यूज)। विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर मे आदिवासी सगा समाज द्वारा अपने अपने गांव के पेन थाना मे गोंगो पूजन याचना कर सतरंगी झंडा अपने वेश भूषा, पहनावा के साथ बाजे गाजे के साथ रैली निकालकर चांगोटोला के लिए लिए निकले, लामता चरेगांव, एवं चांगोटोला क्षेत्र के सभी गांव से आदिवासी सगा समाज की रैली निकालकर चांगोटोला मे एकत्रित हुये। चांगोटोला मे गोंडवाना महासभा का आयोजन किया गया था, इस कार्यक्रम मे समस्त गांव से आये रैली मे विशिष्ट जनो को मंचासीन किया गया, गोंडवाना महासभा के कार्यक्रम मे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा अपने अपने उद्बोधन दिया गया। 9अगस्त को प्रतिवर्ष चांगोटोला मे गोंडवाना सम्मेलन का आयोजन किया जाता हैं इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी सगाजनों को गोंडवाना लेंड एवं गोंड जाति के संस्कृति, वेश भूषा, एवं गोंडी धर्म के बारे मे विस्तार से समझाया जाता हैं, गोंड जाति के वेश भूषा, गोंडी भाषा बोलने पर सगा समाज पर जोर दिया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर मे परसवाड़ा विधायक मधु भगत गांव गांव पहुंचकर सभी आदिवासी सगा समाज के रैली मे शामिल होकर सगा समाज के लोगो को बधाई देते हुये डी जे के धुन मे खूब थिरके, भगत जी चरेगांव के रैली के साथ लामता पहुचे, जहाँ पर समाज के लोगो को बधाई देकर रैली को चांगोटोला के लिए रवाना किये। उसके बाद भगत जी लामता क्षेत्र के कोचेवाड़ा पहुंचकर आदिवासी जनो के रैली मे सम्मिलित होकर सभी जनों को शुभकामनाये देते हुये ग्रामीणजनों के साथ नाचे।

आदिवासी दिवस के अवसर मे विधायक मधु भगत ने चार पंचायत को दिया सौगात

आदिवासी दिवस के शुभवसर मे परसवाड़ा विधायक ने चार पंचायतो को विकास कार्य हेतु अपने निधि से राशि की स्वीकृति प्रदाय की, जिसमे कोचेवाड़ा पंचायत को बड़ादेव स्थल के बाउंड्री वाल निर्माण एवं बड़ा देव स्थल के लिए सभा मंच लिए विधायक निधि से 7लाख रूपये की स्वीकृति, ग्राम पंचायत चांगोटोला के खामटोला मे आदिवासी सामुदायिक भवन के लिए 15,00000 लाख रुपये, मोहगांव पंचायत बड़ा देव के सभा मंच के लिए 2.50लाख रूपये, सकरी पंचायत के देवसर्रा ग्राम मे रानी दुर्गावती के सभा मंच के लिए 2.00000लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की।

भाईयों की कलाईयों में बहनों ने बांधी रक्षासूत्र

बाजार में दिखी रौनक बहनों ने खूब खरीदी की

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भाई बहन के अटटू रिस्ते को समर्पित रक्षाबंधन का पर्व ९ अगस्त को नगर सहित क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पर्व को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं हैं जो हमें भाई.बहन के अटूट संबंधों को दर्शाती है। इस भाई.बहन के स्नेह के पर्व पर आज बहने शुभ मुहुर्त पर अपने भाईओं की आरती कर कलाईयों पर रक्षासूत्र बांधकर दीर्घायु की कामना की और भाईयों ने उपहार भेंट कर जीवन भर बहन की रक्षा करने का संकल्प लिया।

राखी दुकानों में दिनभर रही भीड़

बहन भाई के पवित्र रिस्ते का पावन पर्व रक्षाबंधन पर्व ९ अगस्त को परंपरागत रूप से मनाया गया। दिन भर राखी, गिफ्ट व मिठाई दुकानों में बहनों की भीड़ नजर आई। बहनों के द्वारा अपने भाईयों की कलाईयों में राखी बांधने के लिए अपने.अपने पसंद की राखियां खरीदी गई और शुभ मुहुर्त पर बहने अपने भाईयों की मंगल कामना के साथ रक्षा सूत्र बांधी। दिन भर नगर के राखी, गिफ्ट व मिठाई दुकानों में भीड़ रही परंतु यह भीड़ व्यापार में रौनक बनी रही। वहीं रखियों के दाम व साथ ही पर्व पर मिठाईयों के दामों में भी उछाल देखने को मिला।

बसों में बढ़ी भीड़

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर यात्री बसों में खासी भीड़ देखने को मिली। नगर में स्थित बस स्टैण्ड में दिनभर अपने गंतव्य की ओर जाने वाली यात्री बसों में बस एजेन्टों व कंडेक्टरों के द्वारा क्षमता से अधिक सवारी बैठालकर अपने गंतव्य की ओर गये। बस सवारी से ठसाठस भरी होने के कारण महिला व बच्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन भाई.बहनों के स्नेह के पर्व में बहनों को अपने भाईयों की कलाईयों में रक्षासूत्र बांधने के लिए उक्त समस्याओं को झेलते हुए देखा गया परन्तु उनके चेहरों में उत्साह व उमंग नजर आया।

कंडरा समाज ने मनाया आदिवासी दिवस

विश्व आदिवासी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

झवारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ६ लालबर्रा रोड़ में ९ अगस्त को मध्य प्रदेश आदिवासी कंडरा समाज संगठन वारासिवनी के तत्वाधान में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विधायक विवेक पटेल सहित समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा सुपन भगत महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात विश्व आदिवासी दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें फलदार , औषधिदार और छायादार के विभिन्न प्रजातियों के पौधो का रोपण कर लोगों को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद सुबह बाइक रैली आयोजित की गई यह बाइक रैली कार्यक्रम स्थल से निकाली गई जो नगर के लालबर्रा रोड़ से बालाघाट रोड़ रामपायली रोड़ एवं नगर के विभिन्न चौक चौराहा विभिन्न गलियों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां पर बाइक रैली का समापन किया गया। रैली में आदिवासी महापुरुषों की जय जय कार आदिवासी गीतों पर नृत्य भी किया गया। जिसके बाद मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समाज को आगे बढ़ने समाज उत्थान करने शिक्षित बनने और हर क्षेत्र में अपनी रूचि बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। सेवकराम बोरकर ने बताया कि यह हमारा चौथा वर्ष है हम सभी आदिवासी कंड़रा समाज मिलकर यह दिवस मना रहे हैं। कार्यक्रम में हमारे द्वारा गीत भाषण व सामाजिक चर्चा के साथ ही विश्व एवं देश स्तर पर आदिवासी जो संघर्ष कर रहे हैं। वह बताकर समाज को जागरूक करने का कार्य किया गया कि आने वाली पीढ़ी अपने अधिकारों को समझ कर आगे बढ़े संघर्ष करें। शासन प्रशासन भी हमें मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाये हर बार हमें बांस की बड़ी समस्या होती है। अधिकारी के पास जाते हैं ज्ञापन देते हैं फिर भी अच्छी किस्म का बस जरूरत के आधार पर नहीं मिलता है। सदैव अभाव रहता है इससे हमारा रोजगार खत्म हो रहा है,दूसरे रोजगार की ओर लोग बढ़ रहे हैं मजदूरी में जा रहे हैं हम यही चाहते हैं कि हमें उचित किस्म का पर्याप्त बांस दिया जाए। ताकि हम अपना रोजगार चला कर बच्चों की शिक्षा दीक्षा कर सके। इस अवसर पर रमेश बोरकर ,गिरीश करण, सेवक बोरकर, सुरेश करण, शिवशंकर पिण्डेकर ,संतोष कलाईत, डिलेन्द्र बोरकर ,धीरज हांडे ,लेतेश पिंडेकर ,लकेश हांडे ,योगेश बोरकर ,संपन करण सहित अन्य सामाजिक बंधु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भुजली पर्व आज : उजैना की अदा की जायेगी रस्म

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कोष्टी समाज सहित अन्य समाज के द्वारा व्यापक स्तर पर भुजली पर्व १० अगस्त को नगर सहित क्षेत्र में पूरे साम्प्रदायिक सौहार्द्र के साथ मनाया जायेगा। इस दौरान सार्वजनिक रूप से ब्याहत बेटियों के उजैना की रस्म अदा की जायेगी। समाज के महाजन गणों का सम्मान भी किया जायेगा। नगर में भुजली पर्व काफ ी लंबे अरसे से मनाया जा रहा है। इस दौरान सावन माह में ब्याहता बेटियां अपने मायके आती हैं और सावन सामप्ती के दूसरे दिनं को उजैना की रस्म के बाद अपने मायके से विधान सम्मत बिदाई लेती है जो विवाह के बाद का आखरी संस्कार माना जाता है। इस दस्तूर के बाद कल बेटियां आंखों में आंसु थामें खुशी खुशी ससुराल के लिये बिदा हो जायेंगी।

सावन झूले का है अपना महत्व

पूरे सावन मास ब्याहता बेटियां अपने मायके पहुंचकर अपनी सखियों के साथ अपना समय गुजारती हैं। साथ ही पूरे सावन मास सावन झूला झूलती हैं। इस झूले में वह अपनी मायके की यादों को संजोती हैं। सावन मास का अंतिम पर्व रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर घरो में सांस्कृतिक कार्यक्रम आहूत कर बेटियां उपवास करती हैं। यह उपवास भुजली विसर्जन के बाद तोड़ा जाता है। सावन मास भर सावन झूला झूलने के बाद आज अंतिम बार अपने झाल सहित बेटियां झूला झूलेंगी। इसके बाद जल विसर्जन कर वह अपने ससुराल के लिए रवाना होगी।

भुजली पर्व को तैयारी प्रारंभ

नगर में कोष्टी समाज भुजली पर्व को सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है। जिसमें सामाजिक बंधुओं के साथ ही साथ राजनीतिक दलों के लोग भी शामिल होते है। जो १० अगस्त को मनाया जाने है इस भुजली पर्व के लिये नगर में व्यवस्था चाक चौबंद कर ली गई है। जिसमें नगर पालिका ने विशेष रूप से कबीर कुटी के आस पास और कबीर घाट पर साफ सफाई करवा दी है। यह दस्तूर है कि ब्याहता बेटियां अपनी उपवास की हालत में अपने सिर पर भुजलियों का भारी झाल लिये और उसके साथ उसकी सहेलियां छोटी छोटी टोकनियों में भुजली लिये उसके साथ विसर्जन स्थल तक जाती हैं। जहां पर भुजलियों का विसर्जन होता है और उसके बाद भुजलियों को लूटा जाता है। यह एक तरह से यह पारिवारिक कार्यक्रम अब पूरी तरह से चल समरोह के रूप में होता है जिसमें परिवार के रूप में बेटियों के साथ सभी धर्म व दल के लोग शामिल होकर इस दस्तूर का हिस्सा बनते हैं।

कबीर घाट में होगा विसर्जन

यह भुजली पर्व कोष्टी समाज के लोगों का एक बड़ा उत्सव है जो पूरी तरह से सार्वजनिक सहभागिता निभाता है। जिसमें कबीर कुटी से यह जुलूस के रूप में नवविवाहित भुजली की झाल के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। जो सीधे गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक व अन्य चौक चौराहों का भ्रमण कर वापस गोलीबारी चौक होते हुये चंदन नदी के कबीर घाट पर पहुंचती है जहां शोभायात्रा का समापन होता है।

इस प्रकार नगर में होगे आयोजन

नगर में कोष्टी कल्याण समिति वारासिवनी के द्वारा भुजली महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें सुबह ९ बजे बाइक रैली निकल जाएगी इसके पश्चात दोपहर ४ बजे कबीर कुटी में झंडा वंदन कर आरती करने के उपरांत कबीर कुटी भवन वार्ड नंबर १३ से भुजली शोभा यात्रा शाम ५ बजे निकल जाएगी। जो नगर भ्रमण करते हुए कबीर घाट पहुंचेगी जहां पर भुजली विसर्जन करने के बाद कबीर कुटी में शाम ७ बजे भुजली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। इस ऐतिहासिक भुजली पर्व शोभायात्रा और भुजली मिलन समारोह में अधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील कोष्टी कल्याण समिति वारासिवनी अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य कोष्टी कल्याण समिति वारासिवनी के द्वारा की गई है।

मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर से चोरी

करीब साल भर पहले 07 लाख रुपए की लागत से लगाया गया टीन शेड

कटंगी(पद्मेश न्यूज) ।खजरी भालवा नाले के पास में स्थित नगर परिषद के मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर से दूसरी बार चोरी की वारदात हुई है. इस बार चोरों ने फैसिलिटी सेंटर में लगे टीन शेड से टीन की चोरी की है. शनिवार को पार्षद श्रीमती मनीषा कोचर ने इस चोरी का खुलासा करते हुए बताया कि करीब साल भर पहले ही 07 लाख रुपए की लागत से टीन शेड लगाए गए थे. नगर परिषद के कर्मचारियों के द्वारा उन्हें टीन शेड से टीन के चोरी होने की सूचना दी गई. मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधेश्याम चौधरी से जब चोरी के संबंध में सूचना है या नहीं इस पर चर्चा की तो उन्होंने बताया कि चोरी की कोई जानकारी उनके पास नहीं है. अब इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीएमओ की कार्यशैली कैसी है. कर्मचारी उन्हें चोरी तक की सूचना देना मुनासिब नही समझते. बता दें इसके पूर्व भी सेंटर में चोरी हुई थी तब अज्ञात चोरों ने मशीनों की मोटर चोरी कर ली थी अब टीन और सेंटर के बाहर लगे सोलर पैनल भी गायब है. फिलहाल, यह चोरी नगर परिषद के कर्मचारियों के सहयोग के बिना असंभव लगती है. ऐसा माना जा रहा है कि इस चोरी में नगर परिषद के कर्मचारियों का भी हाथ हो सकता है हालांकि यह बात तो तब उजागर होगी जब चोरी की रपट थाने में दर्ज करवाई जाएगी और पुलिस मामले की जांच करेगी लेकिन सरकारी संपत्ति की चोरी हो रही है और अधिकारी इस बात से अंजाम बने है तो फिर रिपोर्ट करवाएंगा कौन. यह एक बड़ा सवाल है।

गौरतलब हो कि नगर परिषद ने करीब 04 साल पहले मिनी स्टेडियम के ठीक सामने मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर बनाया है. जहां आज तक बिजली नहीं पहुंची है. शहर का निकलने वाला पूरा कचरा आज भी खुले में फेंक कर आग के हवाले किया जाता है. नगर परिषद स्वच्छ भारत अभियान के सर्वे के दौरान इस केंद्र को कचरा निस्तार करने की इकाई के रूप में पेश करती है. कथित तौर भ्रष्ट और पैसा खाऊ सर्वेयर आकर कटंगी शहर का स्वच्छता सर्वे करते है. सर्वे में केवल झूठी तस्वीर पेश की जाती है गंदगी की हकीकत को छिपाया जाता है. बता दें कि सेंटर में कई लाखों रुपए की मशीनें रखी हुई है जो उपयोग नहीं होने के कारण बर्बाद होने की कगार पर है अगर कुछ सालों तक इनका उपयोग नहीं किया गया तो यह कबा ? में बेचने लायक ही रह जाएगी. यह नगर के जनता के टैक्स के पैसों से खरीदी गई मशीन है. ताज्जुब इस बात का होता है कि यह सेंटर बनने से पहले यहां बिजली की व्यवस्था नहीं की गई और सेंटर बनने के 04 साल बाद भी सेंटर शुरू नहीं हो पाया. लापरवाही किसकी है इस बात की चिंता ना तो जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधि नगर परिषद अध्यक्ष ने की और ना ही प्रशासनिक अधिकारी इसकी सुध ले रहे है।

मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर एक ऐसा केंद्र होता है जहाँ ठोस कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में छांटकर उसका पुन: उपयोग या पुनर्चक्रण किया जाता है. यह शहरी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. मगर, कटंगी में पूरे शहर का कचरा खुले में फेंका जा रहा है. जिसकी बदबू से खजरी गांव के लोग परेशान है. नगर परिषद कई बार इस कचरे को आग के हवाले कर देती है जिससे वायु प्रदूषण फैलता है. परंतु इसके बावजूद जिम्मेदारों ने अपनी आंखों में पट्टी बांध रखी है. पूरा शहर जानता है कि शहर की बर्बादी के लिए कथित तौर पर नगर परिषद के उपयंत्री राजेश चौकसे और लेखापाल अशोक दुबे जिम्मेदार है जो लंबे समय से नगर परिषद को अपने हिसाब से चला रहे है लेकिन कभी अफसर तो कभी सत्ता का संरक्षण प्राप्त होने की वजह से इनके खिलाफ दोषी पाए जाने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती. मसलन, शहर आज के 20 साल पहले जहां खड़ा था आज भी वहीं खड़ा है और आने वाले समय में भी कोई सुधार की गुंजाइश नजर नहीं आ रही।

इनका कहना है

नगर परिषद के कर्मचारियों ने मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर से टीन चोरी होने की सूचना दी है. हमने कई बार सेंटर शुरू करवाने बोला अधिकारी ध्यान नहीं देते. शहर का कचरा खुले में फेंका जा रहा है।

मनीषा कोचर
पार्षद

मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर से चोरी होने की सूचना मुझे नहीं है मैं इस संबंध में जानकारी लेता हूं।

राधेश्याम चौधरी
सीएमओ

सड़क दुर्घटना में ६ व्यक्ति घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के कटंगी रोड़ पर ९ अगस्त की दोपहर दो मोटरसाइकिल की टक्कर में ६ लोग घायल हो गये जिसमें गंभीर घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखन चचाने अपनी पत्नी दीप्ती चचाने ३२ वर्ष एवं बेटे दर्श चचाने के साथ रक्षाबंधन पर्व बनाने के लिए अपने ससुराल जा रहे थे। तो वहीं लाँजी निवासी गुलशन पिता चुन्नीलाल चोरनेले २२ वर्ष अपनी २ बहन किरण एवं मनीषा के साथ नवोदय विद्यालय रक्षाबंधन पर्व मनाने आए थे जो वापस अपने गांव के लिए निकले थे। तभी दोनों मोटर साइकिल की टक्कर कटंगी रोड़ में हो गई। जिसमें दो मोटरसाइकिल में सवार ६ लोग घायल हो गए। इसमें गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है।

सबजेल में बंद भाईयों से मिलने बेताब नजर आई बहने

बहनो ने बंदी भाइयों से मिलकर लाड़ दुलार कर बांधा रक्षासूत्र

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत वारा स्थित सबजेल वारासिवनी में ९ अगस्त को रक्षाबंधन पर्व पर बंदी भाइयों को उनकी बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया। यह रक्षाबंधन पर्व अवर सचिव जेल प्रशासन
जेल मुख्यालय मध्य प्रदेश भोपाल
जेल महानिरीक्षक एवं सर्कल जेल नरसिंहपुर के प्राप्त निर्देश अनुसार मनाया गया। जिसमें जेलर अभय वर्मा के द्वारा जेल के अंदर पुख्ता सुरक्षा के इंतजाम करने के उपरांत यह पर्व आयोजित किया गया। जिसमें प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में बहने सबजेल वारासिवनी में अपने बंदी या सजा यापता भाइयों से मिलने के लिए बड़ी संख्या में पहुंची। जिस पर जेलर अभय वर्मा के द्वारा शासन व वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देश के अनुसार संपूर्ण चेकिंग के उपरांत बहनों को जेल के अंदर लिया गया और उनके भाइयों से उनकी मुलाकात करवारकर रक्षाबंधन बंधवाया गया। जिसमें बहनों ने अपने भाइयों को लाड़ दुलार कर रक्षा सूत्र बांधकर मिठाई खिलाकर दीर्घायु जीवन की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों के आंसू पूछ कर उन्हें सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद दिया। बहने अपने भाइयों से मिलकर रक्षाबंधन पर्व मना कर प्रसन्न नजर आई जहाँ बैठ कर बाते की और पकवान खिलाये गये। इस दौरान करीब ६१ बंधिया से १६८ महिला, ६५ बच्चों के द्वारा मुलाकात पर यह रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व मनाने के लिए सुबह से बहने अपने परिवारों के साथ सब जेल के सामने पहुंची । जहां नियम अनुसार नंबर के आधार पर एक बार में चार से पांच परिवारों की मुलाकात करवा कर यह पर्व मनाया जाता रहा। जहां पर काफी भावनात्मक माहौल बना रहा बहन और भाई दोनों की आंखों से लगातार आंसू निकलते रहे और दोनों एक दूसरे को दिलासा देकर आंसुओं को पोछते भी नजर आए। इस अवसर पर सब जेल वारासिवनी के अधिकारी कर्मचारी सक्रिय रूप से मुस्तैद रहे।

महिलाओं ने अपने भाइयों से मुलाकात कर श्रीफल देकर रक्षाबंधन मनाया-अभय वर्मा

जेलर अभय वर्मा ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व सावन मास की अंतिम पूर्णिमा पर मनाया जाता है। यह भाई बहन के पवित्र व अटूट रिश्ते का पर्व है जिसमें बहने अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधने के लिए लालायित रहती है। तो वहीं राखी डाक या पोस्ट के माध्यम से भेज कर यह पर्व मानती है। उपजेल में यह रक्षाबंधन पर्व विरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था में जेल के बंदियों को उनकी महिला बहनों से मुलाकात करवाकर रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। जिसमें महिलाओं ने अपने भाइयों से मुलाकात कर उन्हें तिलक लगाकर श्रीफ्ल देकर हंसी खुशी रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान ६१ बंधिया से १६८ बहने,६५ बच्चों ने मुलाकात कर यह पर्व जेल के अंदर मनाया गया। यह कार्यक्रम सुबह से दोपहर २ तक आयोजित किया गया इसमें पूजा की थाली हमारे द्वारा उपलब्ध कराई गई थी बहनों ने फल और राखी लायें थे।

आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओ की दास्तान

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिगांरी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में

किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था । कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिहं ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था । वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई । राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिहं अंग्रेजो से नाराज हो गए और उन्होने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया। इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी।जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने धर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी धोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पयर्टन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है। देश में आजादी की इस पहली लडाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, इस धटना में एक दर्जन लोग धायल हुए थे। जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था। इसी तरह 3 सितम्बर 1930 को झबरेडा में अंग्रेजो को देश से भगाने के लिए हुई जनसभा में पुलिस ने लाठी चार्ज कर लोगो को वहां से भगा दिया था। भगवानपुर मे तो इस बाबत हुई जनसभा में पुलिस के लाठी चार्ज से लाला बल्ली मल्ल बूरी तरह धायल हो गए थे।जिसकारण उनकी शहादत हो गई थी। तब से सन 1857 तक अंग्रेजो के खिलाफ हरिद्वार जिले तत्कालीन जिला सहारनपुर के लोगो का आन्दोलन जारी रहा। सन 1857 के अगस्त माह में रूडकी के तत्कालीन ज्वांइट मजिस्ट्रट एचडी राबर्टसन ने अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह कर रहे लोगो के प्रति क्रूरता दिखाई और ग्राम भनेडा की गुर्जर बस्ती में आग लगवा दी तो लोगो में उनके प्रति इतना गुस्सा व्याप्त हो गया।

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्टीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।

उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा।

-ललित गर्ग

किसी की ज़न्दिगी बचा सकता है अंगदान

अंगदान और प्रत्यारोपण हर वर्ष हजारों लोगों को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। अमीर और गरीब के बीच भारी असमानता, मानव अंगों की मांग और देश में प्रौद्योगिकी की उपलब्धता जैसे कारणों से मानव अंगों का व्यापार जहां कुछ लोगों को धन प्रदान करता है वहीं अन्य लोगों को राहत पहुंचाता है। अंगों का व्यापार निश्चित रूप से निर्धनता से ग्रस्त लोगों के शोषण को बढ़ावा देता है क्योंकि वे तात्कालिक वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए धन के लालच में अंग बेचते हैं। मानव अंगों को एक वस्तु बना देना सामाजिक, नैतिक और शिष्टाचार संबंधी मूल्यों का ह्रास है और कोई भी सभ्य समाज अंगों की जरूरतें पूरी करने के लिए इस व्यापार को एक विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अंगों की बिक्री के बारे में एक बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐसा करना मानवाधिकारों संबंधी सार्वभौम घोषणा और स्वयं के संविधान का उल्लंघन है-"मानव शरीर और इसके अंगों को व्यापारिक लेन-देन का विषय नहीं बनाया जा सकता। तदनुरूप, अंगों के लिए धन प्राप्त करने या अदा करने पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।" हर वर्ष हजारों भारतीय अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते करते मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे लोगों की संख्या और दान किए गए अंगों की संख्या के बीच भारी अंतराल है। भारत किडनी प्रत्यारोपण के मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जहाँ 80त्न से ज़्यादा जीवित किडनी दान से होते हैं। हालाँकि हर साल 2,20,000 लोगों को प्रत्यारोपण की ज़रूरत होती है, लेकिन 250 केंद्रों पर केवल लगभग 7,500 किडनी प्रत्यारोपण ही हो पाते हैं।हृदय प्रत्यारोपण के मामले में भी स्थिति भिन्न नहीं है। भारत में हर वर्ष करीब भारत में हर साल लगभग 50,000 लोगों को हृदय प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है।लेकिन,उपयुक्त दाता हृदय की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है, और केवल एक छोटा सा प्रतिशत लोगों को ही प्रत्यारोपण मिल पाता है। इसी तरह भारत में कार्निया की उपलब्धता और आवश्यकता के बीच एक बड़ा अंतर है। हर साल 1,00,000 कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, लेकिन केवल 30,000 प्रत्यारोपण ही हो पाते हैं। इसका मतलब है कि लगभग 70,000 लोग हर साल कार्निया प्रत्यारोपण के बिना रह जाते हैं। भारत में, कॉर्निया दान की कमी एक बड़ी समस्या है। हर साल लगभग 60,000 कॉर्निया एकत्रित होते हैं, लेकिन 28,000 से भी कम का प्रत्यारोपण हो पाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद, कॉर्निया की उपलब्धता और भी कम हो गई है। भारत में नेत्र बैंकों की संख्या भी अपर्याप्त है। आवश्यक मानकों के अनुरूप पर्याप्त नेत्र बैंक नहीं हैं। भारत में 12 लाख लोग कार्निया की अपारदर्शिता से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग एक तिहाई लोगों को कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। यह समस्या 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का दूसरा प्रमुख कारण है, और कम उम्र वालों में यह प्राथमिक कारण है। भारत में सालाना 1,00,000 कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। लेकिन, वर्तमान में, केवल 30त्न मांग ही पूरी हो पाती है। अंगों के काम करना बंद करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। हर साल हज़ारों लोग अंग प्रत्यारोपण का इंतज़ार करते हैं। इस तात्कालिक आवश्यकता के बावजूद, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों और उपलब्ध दाताओं की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर बना हुआ है। भारत में अंगदान की दर जनसंख्या के अनुपात में 1 प्रतिशत से भी कम है। वर्तमान में 63,000 से ज़्यादा लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट और लगभग 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की ज़रूरत है। इसके बावजूद, जागरूकता बढ़ रही है, खासकर प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में इस मुद्दे पर बात करने के बाद। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना पीड़ितों और हृदयाघात से पीड़ित लोगों के लिए समय पर अंगदान की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया। इसके जवाब में, सरकार जनभागीदारी बढ़ाकर, हर गाँव और घर में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है।केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के अनुसार , माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार अंगदान और प्रत्यारोपण को निरंतर सुव्यवस्थित कर रही है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि शहरों के बीच अंगों की समय पर और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और सफल अंग प्रत्यारोपण सुनिश्चित करने के लिए हम बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 में आधार आधारित नोट्टो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट के शुभारंभ के बाद से, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अपने अंगदान का संकल्प लिया है, जो जनभागीदारी का प्रमाण है। प्रतिज्ञा पंजीकरण में यह वृद्धि इस साझा लक्ष्य के प्रति नागरिकों में बढ़ती जागरूकता और समर्पण को दर्शाती है। प्रत्यारोपण पेशेवरों के अटूट समर्पण के कारण, भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने का एक उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया, जो किसी एक वर्ष में दर्ज किया गया अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है। अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पीछे। दधिचि देहदान समिति परिवार बिहार के संस्थापक महासचिव विमल जैन को इस नेक मुहिम को सफल बनाने के लिए पद्म सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। पद्मश्री डॉ. विमल जैन के अनुसार देश में अंगदान को लेकर जागरूकता अब पहले से ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी रेडियो द्वारा पूरे भारतवासियों को अंगदान करने हेतु जोर दिया है। जब उन्होंने इस मुहिम की शुरूआत की थी तो तो बहुत कम लोग इसके बारे में जानते थे, परंतु अब बड़े पैमाने पर लोगों के बीच यह मिथ्य खत्म हुआ और लोग जागरूक होकर आगे आ रहे है कि मृत्यु पश्चात अंगदान करके किसी और के जीवन को बचाया व उनके जीवन में रौशनी लाई जा सकती है। लोग अंगदान के लिए आगे आये और अपने आसपास के लोगों को भी इसके बारे में जागरूक करें। दधिचि देहदान समिति परिवार बिहार के क्षेत्रीय संगठन मंत्री निर्मल जैन के अनुसार अंगों की आवश्यकता और उपलब्ध दाताओं के बीच अंतर के सवाल पर कहते हैं कि अधिक जागरूकता, अधिक जन संवाद, परिवारों की समय पर सहमति और रोगग्रस्त अंगदान को समर्थन देने के लिए एक मज़बूत प्रणाली की आवश्यकता है। प्रत्येक अंगदाता एक मूक नायक है, जिसका निस्वार्थ कार्य दु:ख को आशा में और क्षति को जीवन में बदल देता है। एक व्यक्ति हृदय, फेफड़े, यकृत, गुर्दे, अग्न्याशय और आंतें दान करके 8 लोगों की जान बचा सकता है। इसके अतिरिक्त, ऊतक दान के माध्यम से अनगिनत जीवन बदल सकते हैं। उन्होने अंगदान को एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया, एक ऐसा जन आंदोलन जो वसुधैव कुटुम्बकम , यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार को प्रतिबिंबित करे ।जन जागरण के कारण समाज इसके महत्व को समझने लगा है। इसी का नतीजा है कि बिहार में 1700 बच्चे, जो जन्मजात अंधत्व से पीड़ित थे, उन्हें नई रोशनी मिली है। दधीचि देहदान समिति के लगातार प्रयास के कारण बिहार के 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आई बैंक की स्थापना हो सकी है। इसके अलावा बिहार के मेडिकल कॉलेज के छात्रों को 24 शव उपलब्ध कराए हैं,ताकि वे चिकित्सा शोध कर सकें। उनके मुताबिक कैंसर पीड़ित छोड़ कर कोई भी व्यक्ति अंगदान कर सकता है। सरकार की ओर से अंग प्रत्यारोपण को और अधिक सुलभ बनाने के लिए, राष्ट्रीय आरोग्य निधि के अंतर्गत गरीब मरीजों को किडनी, लिवर, हृदय और फेफड़ों के प्रत्यारोपण के लिए 15 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। गरीब मरीजों को प्रत्यारोपण के बाद चिकित्सा व्यय को पूरा करने के लिए प्रति माह 10,000 तक की सहायता प्रदान की जाती है। किडनी प्रत्यारोपण पैकेज को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में भी शामिल किया गया है। अधिकतर भारतीय आमतौर पर यह मानते हैं कि अंग छेदन धर्म और प्रकृति के खिलाफ है। कुछ लोगों को यह संदेह रहता है कि अंगों को प्राप्त करने के लिए अस्पताल का स्टाफ उनकी जान बचाने के लिए कठिन परिश्रम नहीं करेगा। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि अंगों के लालच में उन्हें वास्तविक रूप में मरने से पहले मृत घोषित किया जा सकता है। भारत में गुर्दा प्रत्यारोपण की शुरुआत 1970 के दशक में हुई थी और उसके बाद से एशियाई उप महाद्वीप में भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख राष्ट्र है। पिछले छह दशकों में भारत में अंग प्रत्यारोपण में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। 1994 में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम पारित होने के बाद से, अंगदान और प्रत्यारोपण की संख्या में वृद्धि हुई है। हालांकि, अंग प्रत्यारोपण की मांग और उपलब्धता के बीच अभी भी एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है, जिससे अंग प्रत्यारोपण के लिए इंतजार कर रहे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। टीएचओ अधिनियम के बावजूद न तो अंगों का व्यापार रुका। भारत सरकार ने 2011 में 'मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम' पारित किया, जिसमें मानव अंग दान के लिए प्रक्रिया को आसान बनाने के प्रावधान किए गए। इन प्रावधानों में रिट्रिवल सेंटर और मृतक दान कर्ताओं से अंगों के रिट्रिवल के लिए उनका पंजीकरण, स्वैप डोनेशन और गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती संभावित दानकर्ता के निकट संबंधियों से सहमति प्राप्त करने के लिए प्रत्यारोपण समन्वयकर्ता (यदि उपलब्ध हो) की सलाह से अस्पताल के पंजीकृत मेडिकल प्रेक्टिशनर द्वारा अनिवार्य जांच करना और यदि उनकी सहमति हो तो अंगों के रिट्रिवल के लिए रिट्रिवल सेंटर को सूचित करना शामिल है। भारत में मृतक अंगदान की संभावनाएं व्यापक हैं क्योंकि देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बहुत अधिक है। इस पूल का इस्तेमाल अभी किया जाना है। किसी भी समय प्रत्येक बड़े शहर में विभिन्न गहन चिकित्सा यूनिटों में 8 से 10 व्यक्तियों की मृत्यु ब्रेन डेथ के रूप में होती है। सभी अस्पतालों में होने वाली कुल मौतों में से करीब 4-6 प्रतिशत मस्तिष्क मृत्यु के रूप में सामने आती हैं। भारत में स ?क दुर्घटनाओं में करीब 1.4 लाख मृत्यु हर वर्ष होती हैं। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार इनमें से करीब 65 प्रतिशत मौतें सिर में गंभीर चोट लगने से होती हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि करीब 90 हजार रोगियों की मृत्यु मस्तिष्क आघात से होती है। ऐसा नहीं है कि लोग अंगदान नहीं करना चाहते। लेकिन अस्पतालों में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जिससे ब्रेन डेथ की पहचान करके उन्हें प्रमाणित किया जा सके।

-कुमार कृष्णन

9एजीएम में घटती भागीदारी- शेयरधारकों की रुचि में आई भारी गिरावट

मुंबई। देश कमुख कंपनियों की वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) में शेयरधारकों की भागीदारी तेजी से घट रही है। एक विश्लेषण के अनुसार, साल 2025 में प्रति 10,000 शेयरधारकों में औसतन केवल 1 ने एजीएम में हिस्सा लिया, जबकि 2019 में यह संख्या 5 से 8 के बीच थी। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब कंपनियों ने लाखों नए खुदरा निवेशकों को जोड़ा है। विश्लेषण में शामिल 10 ब्लूचिप कंपनियों की एजीएम में 2019 में कुल 4,217 लोग उपस्थित थे, जो 2025 में घटकर 2,278 रह गए। इस दौरान कई कंपनियों ने 3 लाख से 56 लाख तक अतिरिक्त शेयरधारक जोड़े, परंतु भागीदारी का अनुपात तेजी से घटा। विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण एजीएम का वर्चुअल स्वरूप है। इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज के प्रमुख ने कहा कि वर्चुअल बैठकें खुदरा निवेशकों को जोड़ने में असफल रही हैं। पहले कई शेयरधारक एजीएम में भाग लेने के लिए व्यक्तिगत बातचीत और आयोजनों में मिलने वाले प्रोत्साहनों को एक कारण मानते थे, जो अब समाप्त हो चुके हैं। इसके अलावा, वर्चुअल माध्यम में कंपनियों के लिए असहज सवाल पूछने वाले निवेशकों को नियंत्रित करना आसान हो गया है। उदाहरण के लिए, वेदांत की एजीएम पर 'स्टेज मैनेज्ड' होने का आरोप भी सामने आया था। इस बदलती प्रवृत्ति से कॉर्पोरेट पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे एजीएम की उपयोगिता पर पुनर्विचार आवश्यक हो गया है।

एजीएम में घटती भागीदारी- शेयरधारकों की रुचि में आई भारी गिरावट

मुंबई। देश की प्रमुख कंपनियों की वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) में शेयरधारकों की भागीदारी तेजी से घट रही है। एक विश्लेषण के अनुसार, साल 2025 में प्रति 10,000 शेयरधारकों में औसतन केवल 1 ने एजीएम में हिस्सा लिया, जबकि 2019 में यह संख्या 5 से 8 के बीच थी। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब कंपनियों ने लाखों नए खुदरा निवेशकों को जोड़ा है। विश्लेषण में शामिल 10 ब्लूचिप कंपनियों की एजीएम में 2019 में कुल 4,217 लोग उपस्थित थे, जो 2025 में घटकर 2,278 रह गए। इस दौरान कई कंपनियों ने 3 लाख से 56 लाख तक अतिरिक्त शेयरधारक जोड़े, परंतु भागीदारी का अनुपात तेजी से घटा। विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण एजीएम का वर्चुअल स्वरूप है। इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज के प्रमुख ने कहा कि वर्चुअल बैठकें खुदरा निवेशकों को जोड़ने में असफल रही हैं। पहले कई शेयरधारक एजीएम में भाग लेने के लिए व्यक्तिगत बातचीत और आयोजनों में मिलने वाले प्रोत्साहनों को एक कारण मानते थे, जो अब समाप्त हो चुके हैं। इसके अलावा, वर्चुअल माध्यम में कंपनियों के लिए असहज सवाल पूछने वाले निवेशकों को नियंत्रित करना आसान हो गया है। उदाहरण के लिए, वेदांत की एजीएम पर 'स्टेज मैनेज्ड' होने का आरोप भी सामने आया था। इस बदलती प्रवृत्ति से कॉर्पोरेट पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे एजीएम की उपयोगिता पर पुनर्विचार आवश्यक हो गया है।

भारत में तैयार हो रहे अब अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स

नईदिल्ली। अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन अब भारत में तैयार हो रहे हैं। इसकी पुष्टि की है एप्पल के सीईओ टिम कुक ने । कंपनी की पिछली तिमाही की कमाई के बाद टिम कुक ने ऐनालिस्ट्स से बात करते हुए कहा कि भारत अब अमेरिकी मार्केट के लिए आईफोन प्रोडक्शन का मुख्य केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि चीन में होने वाली मैन्युफैक्चरिंग अब अमेरिकी बाजार के बजाय अंतरराष्ट्रीय मार्केट्स पर केंद्रित है। कुक ने दोहराया, कंट्री ऑफ ओरिजिन के संदर्भ में स्थिति वैसी ही है जैसी पिछली तिमाही में थी कोई बदलाव नहीं। यानी अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन्स का ओरिजिन अब भारत है।आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग रणनीति अब प्रोडक्ट के आधार पर बंटी हुई है। जहां आईफोन का प्रोडक्शन भारत में केंद्रित है, वहीं मैकबुक, आईपेड और एप्पल वॉच जैसे प्रोडक्ट्स के लिए वियतनाम को प्राइमरी मैन्युफैक्चरिंग बेस बनाया गया है। इंटरनेशनल मार्केट्स के लिए अब भी अधिकतर उत्पाद चीन से ही सप्लाई हो रहे हैं। टिम कुक ने यह भी बताया कि भारत केवल एक मैन्युफैक्चरिंग हब ही नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि कंपनी को भारत में खासकर आईफोन की बिक्री से रिकॉर्ड ग्रोथ की उम्मीद है। जून तिमाही में भारत उन चुनिंदा दो दर्जन देशों में शामिल रहा, जहां एप्पल ने रेवेन्यू के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। हालांकि, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत में हो रही आईफोन मैन्युफैक्चरिंग से खुश नहीं हैं। मई में दोहा दौरे के दौरान उन्होंने टिम कुक से अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था, मैं सुन रहा हूं कि आप भारत में मैन्युफैक्चरिंग कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आईफोन्स भारत में बनाए जाएं।

वैश्विक व्यापार में मामूली सुधार, भारत के लिए उम्मीद की किरण

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने अनुमान जताया है कि वर्ष 2025 में वैश्विक वस्तु व्यापार में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह अप्रैल में जताए गए 0.2 प्रतिशत की गिरावट के अनुमान से बेहतर है, लेकिन शुल्क वृद्धि से पहले अनुमानित 2.7 प्रतिशत वृद्धि से काफी कम है। संगठन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्कों के कारण अमेरिका में माल का त्वरित आयात हुआ, जिससे व्यापार में अस्थायी तेजी आई। हालांकि डब्ल्यूटीओ ने चेताया है कि ये शुल्क व्यापार पर दीर्घकालिक रूप से प्रतिकूल असर डालेंगे। डब्ल्यूटीओ के अनुसार, वर्ष 2026 में व्यापार वृद्धि की रफ्तार घटकर 1.8 प्रतिशत रह सकती है, जबकि पहले यह 2.5 प्रतिशत अनुमानित थी। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी नीतियों के कारण वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढ़ी है, जिससे निवेश और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भारत के संदर्भ में यह स्थिति थोड़ी सकारात्मक नजर आ रही है। जून 2025 में भारत का निर्यात 35.14 अरब डॉलर पर स्थिर रहा, जबकि व्यापार घाटा घटकर 18.78 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले चार महीनों में सबसे कम है। विशेषज्ञों के अनुसार यह भारत के लिए शुभ संकेत है, विशेषकर तब जब एशियाई अर्थव्यवस्थाएं 2025 में व्यापार वृद्धि में अहम भूमिका निभाएंगी।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को उनके मित्र के द्वारा कोई अच्छा अवसर हाथ लग सकता है। आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले। सरकारी एग्जाम की तैयारी कर रहे लोग कोई कोचिंग ले सकते है। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है, जो लोग प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत है, उन्हें कोई अच्छी सफलता हाथ लगेगी, लेकिन किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। किसी कानूनी मामले में आपको काफी मेहनत मशक्कत के बाद ही सफलता हासिल होगी। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज पार्टी मिल सकती है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप किसी अजनबी की बातों में ना आएं। दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। आपके बॉस आपके काम से काफी खुश होंगे। जिस कारण आपके प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती हैं। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। व्यापार में यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। पारिवारिक रिश्तों में सामंजस्यता बनी रहेगी। आपको जल्दबाजी में कोई काम करने से बचना होगा। पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान चल रहे विद्यार्थियों को सीनियर्स की पूरी मदद मिलेगी।

सिंह- आज आपकी प्रॉपर्टी को लेकर कोई डील अटक सकती है, जिसमें आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। आपको किसी अच्छी जगह काम करने का मौका हाथ लग सकता है। जीवनसाथी को आप कहीं बाहर बिना डेट पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं। आपका कोई सहयोगी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकता है, जिससे आपको थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आपका कही विदेश जाने की योजना बना सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा मिलेगा। आपके पिताजी आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं, जिस पर आप अमल अवश्य करें।

तुला- आज आपके मन में काम को लेकर नये नये आईडिया आएंगे, जिन्हे आप बिजनेस में तुरंत लगाएंगे। आप अपने दोस्तों के साथ कुछ समय किसी पार्टी आदि को करने में भी व्यतीत करेंगे, जिससे आपको किसी काम को लेकर टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। संतान के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। आप उनके मन में चल रही उलझनों को लेकर आपसी बातचीत करेंगे। आपको वरिष्ठ सदस्यों की सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ नया सीखने के लिए रहेगा। आपको बेफिजूल का खर्चे पर तालमेल बनाकर चलना होगा। आप किसी जरूरी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। टूर एंड ट्रेवल्स का काम करने वाले लोग अपने कामों में कोई बदलाव सोच समझकर करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। आप किसी सरकारी मामले में सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें।

धनु- आज का दिन आपके कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपको सोच समझकर काम करने होंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आपकी टेंशन में बढ़ सकती है। सेहत में भी उतार चढ़ाव बना रहेगा। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को पहले उसे अच्छे से जानने की आवश्यकता है। आप अपने घर परिवार में कामों में कोई बदलाव करने की सोच सकते हैं। बिजनेस में यदि कोई डील अटकी हुई थी, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है।

मकर- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आप अपने बिजनेस से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। यदि आपने किसी नई योजना की शुरूआत की थी, तो वह भी आपको बेहतर लाभ देगी। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। ससुराल पक्ष से आपको मान सम्मान मिलता देख रहा है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धार्मिक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। जीवन साथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। सेहत में उतार चढ़ाव बना रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप फलदायक रहने वाला है। परिवार में माहौल आज माहौल खुशनुमा रहेगा। आप अपने किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होंगे। आप अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें, नहीं तो वह लटक सकते हैं। संतान ने यदि किसी प्रतियोगिता को दिया था, उसके परिणाम आ सकते हैं। यदि आपको किसी काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी।

शब्दजाल - 7986

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डो	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'करण' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे और तिरछे हो सकते हैं.

नागरीकरण, श्रेणीकरण, प्रकरण, अभिकरण, शमीकरण, वाष्पीकरण, अधिकरण, अनुकरण, शहरीकरण, विद्युतीकरण

शब्दजाल - 7985 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2025 वर्ष का 222 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 12.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.53 बजे को समाप्त।
योग शोभन 00.02 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 12.11 बजे तदनन्तर तैतिल 23.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 33'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872432
जूलियन दिन 2460897.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर
तारीख 15 **विशेष** गायत्री जपम।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.08 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	08.19 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.30 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.45 ब.से
गुरु	मिथुन में	धन	15.01 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.06 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.52 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.56 बजे से
राहुकाल		वृष	23.36 बजे से
4.30 से 6.00		मिथुन	01.34 बजे से
बजे तक		कर्क	03.47 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: रूप और गुण

एक राजा को अपने लिए एक सेवक की आवश्यकता थी। उसने अपने मंत्री से कहा कि वह एक योग्य व्यक्ति ढूंढकर लाए। मंत्री ने दो दिनों के बाद एक व्यक्ति को राजा के सामने पेश किया। राजा ने उस व्यक्ति को अपना सेवक बना तो लिया, पर बाद में उसने मंत्री से कहा, 'वैसे तो यह आदमी ठीक है पर इसका रंगरूप अच्छा नहीं है।' मंत्री को यह बात अजीब लगी पर वह चुप रहा। एक बार गर्मी के मौसम में राजा ने उस सेवक को पानी लाने को कहा। वह सेवक सोने के पात्र में पानी लेकर आया। पर राजा ने जब पानी का घूंट पिया तो पानी पीने में थोड़ा गर्म लगा। राजा ने कुल्ला करके पानी फेंक दिया। राजा बोला, 'इतना गर्म पानी, वह भी गर्मी के इस मौसम में, तुम्हें इतनी भी समझ नहीं है।' मंत्री यह सब देख रहा था। मंत्री ने उस सेवक को मिट्टी के पात्र में पानी लाने को कहा। राजा ने यह पानी पीकर तृप्ति का अनुभव किया। मंत्री ने राजा से पूछा, 'महाराज, सोने के पात्र का पानी आपको अच्छा नहीं लगा। लेकिन मिट्टी के पात्र का पानी क्यों अच्छा लगा?' राजा मौन रहा। इस पर मंत्री ने कहा, 'महाराज, बाहर को नहीं, भीतर को देखें। सोने का पात्र सुंदर, मूल्यवान और अच्छा है, किंतु शीतलता प्रदान करने का गुण इसमें नहीं है। मिट्टी का पात्र अत्यंत साधारण है, लेकिन इसमें ठंडा बना देने की क्षमता है। कोरे रंगरूप को न देखकर, गुण को देखें।' राजा को बात समझ में आ गई।

फिल्म वर्ग पहेली- 6930

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6929

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7239

★★★✯☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7238 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 8454

बाएँ से दाएँ

1.दुर्व्यवहार,बुरा आचरण-4
4.पंजाब की एक नदी-4
7.अनाथालय-5
9.दूसरा,पराया-2
11.चलने का तरीका-2
12.नृत्य-2
13.समीप,पास,नजदीक-3
15.बुरी आदत-2
16.नृत्य करना-3
17.प्रलोभन,हवस,तृष्णा-3
18.मालिक,ईश्वर-2
19.निहित,कारण-3
21.भाग्य(अंग्रेजी-2)
23.थूक,लेस-2
24.नवीन,नव-2
25.नयापन,अनूठापन-5
29.नामवाला,नामचिन-4
30.करिश्मा,चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1.मनोरचना,मनगढ़ंत-4
2.कोक,कहवा-2
3.कामदेव की पत्नी-2
4.मित्र,दोस्त-2
5.पेड़ का मध्य भाग-2
6.नादानी,अनाड़ीपन-4
8.बंदर नचाने वाला-3
10.रचना करने वाला-5
11.आरचण,चरित्र-5
13.कपड़े की दिवार-3
14.उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18.पूजा,प्रार्थना-4
20.खूबसुरत,सुन्दर-3
22.कहर,भूचाल-4
25.नया,नवीन-2
26.शूर,बहादूर,सूरमा-2
27.अवधि में,पर्यंत-2
28.मृत,अप्रबल-2

शब्द पहेली -8453 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

छह हफ्तों से गिरा बाजार विदेशी बिकवाली और वैश्विक दबावों से सेंसेक्स-निफ्टी में आई गिरावट

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 8 अगस्त को एक बार फिर तेज गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी टैरिफ को लेकर बढ़ती चिंताओं और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। बीएसई सेंसेक्स 765.47 अंक गिरकर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 232.85 अंक टूटकर बंद हुआ। यह लगातार छठा हफ्ता है जब निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुआ है, जो पिछली बार 2020 में कोविड काल के दौरान देखा गया था। हफ्ते की शुरुआत सोमवार को कमजोरी के साथ हुई, सेंसेक्स ने दिन में ऊंचे स्तर 82,200 को छुआ, लेकिन अंत में हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी भी शुरुआती गिरावट से उबरकर 25,090.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन दिन के अंत तक दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट में बंद हुए। बुधवार को अमेरिका और जापान के बीच व्यापार समझौते की खबर से बाजार में मजबूती लौटी और सेंसेक्स 539.83 अंक की उछाल के साथ 82,726.64 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 159 अंक चढ़कर 25,219.90 पर पहुंचा। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में कमजोरी देखने को मिली। विदेशी फंड्स की बिकवाली और कुछ बड़ी कंपनियों में गिरावट के कारण सेंसेक्स 542.47 अंक लुढ़क गया। निफ्टी में भी 157.80 अंकों की गिरावट आई। शुक्रवार को बजाज फाइनेंस और अन्य प्रमुख शेयरों में बिकवाली के चलते सेंसेक्स 765.47 अंक गिरकर 81,463.09 पर और निफ्टी 232.85 अंक टूटकर 24,837.00 पर बंद हुआ। कमजोर वैश्विक संकेतों और एफआईआई की बिकवाली से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। विश्लेषकों का मानना है कि जब तक वैश्विक स्थिति स्थिर नहीं होती और एफआईआई की बिकवाली थमती नहीं, बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

रेलवे में आने और जाने का टिकट एक साथ बुक करने पर 20 फीसदी डिस्काउंट मिलेगा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने त्योहारों के सीजन में यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक नई राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम की घोषणा की है। इस योजना के तहत यदि यात्री अपनी रिटर्न यात्रा तय समय सीमा के भीतर बुक करते हैं, तो उन्हें रिटर्न टिकट पर 20 फीसदी की छूट दी जाएगी। यह योजना 14 अगस्त से शुरू होकर 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक की अवधि के लिए पहली यात्रा के टिकट बुकिंग पर लागू होगी। योजना के तहत यात्रियों को पहले अपनी ऑनवर्ड जर्नी यानी पहली यात्रा के टिकट को निश्चित करना होगा। इसके बाद वे 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच की तारीख के लिए अपनी वापसी यात्रा का टिकट 'कनेक्टिंग जर्नी फीचर' के माध्यम से बुक कर सकते हैं। इस स्कीम में छूट केवल रिटर्न टिकट के बेस किराए पर लागू होगी और दोनों टिकट एक ही यात्री के नाम पर होना अनिवार्य है। रेलवे ने बताया कि रिटर्न टिकट के लिए एडवांस रिजर्वेशन पीरियड लागू नहीं होगा, जिससे यात्रियों को अधिक लचीलापन मिलेगा। यह योजना फिलहाल एक्सपेरिमेंटल बेसिस पर शुरू की गई है ताकि इसके प्रभाव और यात्रियों की प्रतिक्रिया को समझा जा सके। रेलवे का उद्देश्य इस योजना के जरिए त्योहारों के दौरान ट्रेनों की क्षमता का अधिकतम उपयोग करना और यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है।

एथेनॉल मिले पेट्रोल से घट रहा माइलेज, पुराने वाहनों के मालिक चिंतित

नई दिल्ली। भारत सरकार ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाकर ईंधन आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। देशभर के पेट्रोल पंपों पर अब ई20 फ्यूल की बिक्री शुरु हो गई है, जिसमें 20फीसदी इथेनॉल और 80फीसदी पेट्रोल होता है। यह जैविक ईंधन गन्ना या मकई जैसी फसलों से बनता है और इसे पर्यावरण के अनुकूल किफायती विकल्प माना जा रहा है। इस नए ईंधन ने पुराने वाहनों मालिकों की चिंता बढ़ा दी है। एक सर्वे से पता चला है कि अप्रैल 2023 से पहले खरीदे गए वाहनों के मालिकों में से ज्यादातर ने माइलेज में कमी की शिकायत की है। सर्वे में बताया गया है कि 2022 या उससे पहले खरीदी गई कारों के करीब दो-तिहाई मालिकों ने स्वीकार किया कि ई20 फ्यूल के इस्तेमाल से उनके वाहनों की फ्यूल एफिशिएंसी पहले से कम हो गई है। तकरीबन 14 हजार लोगों से बातचीत में 44फीसदी लोगों ने कहा कि वे ई20 फ्यूल का समर्थन नहीं करते हैं, जबकि 22फीसदी लोगों ने कहा कि अगर उन्हें विकल्प मिले, जैसे ई5 या ई10 चुनने का, तो वे समर्थन करेंगे। सर्वे में केवल 12फीसदी लोगों ने ई20 को पूरी तरह समर्थन दिया और बाकी ने कोई राय नहीं दी। माइलेज को लेकर पूछे गए सवाल में 11फीसदी लोगों ने बताया कि उनके वाहन का माइलेज 20फीसदी तक घटा है, जबकि 22फीसदी ने इसे 15-20फीसदी और 11फीसदी ने 10-15फीसदी बताया। कुछ लोगों ने 5-10फीसदी या 2-5फीसदी की गिरावट मानी, जबकि 11फीसदी लोगों ने कोई असर न होने की बात कही है। सरकार ने भी माना है कि इथेनॉल की एनर्जी डेंसिटी कम होने के कारण माइलेज में मामूली गिरावट आ सकती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक ई10 के लिए डिज़ाइन और ई20 के लिए कैलिब्रेट किए गए वाहनों में माइलेज 1-2फीसदी तक घट सकता है, जबकि पुराने वाहनों में यह गिरावट 3-6फीसदी तक हो सकती है। साथ ही कुछ पुराने वाहनों में रबर पुर्जों या गैस्केट्स को 20 से 30 हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद बदलने की जरूरत हो सकती है।

दुर्घटनाओं से भरा रहा शनिवार

अनियंत्रित मोटरसाइकिल रेलिंग से टकराई उमेन्द्र बाहे की मौत, संजय की हालत गंभीर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शनिवार का दिन नगर के लिए दुर्घटनाओं से भरा रहा। नगर के सालेटेकरी मार्ग, बालाघाट मार्ग एवं भिलाई रोड़ पर तीन अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक की मौत एवं पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से एक का पैर टूट गया तो एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों का सिविल अस्पताल लांजी में डॉ अंकित खरोले एवं टीम द्वारा प्राथमिक उपचार उपरांत उच्च उपचार हेतु रिफर किया गया।

घर को मुड़ रहें चन्द्रप्रकाश को पीछे से मारी टक्कर

नगर के सालेटेकरी मार्ग पर शनिवार की सुबह 11 बजे उत्कृष्ट विद्यालय के पहले चन्द्रप्रकाश श्रीराम जाभुरे 48 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल हिरो फैशन प्रो एमपी 50 एमवी 5789 से बस स्टैण्ड की ओर से अपने घर आ रहा था, घर के पास पहुंचते ही इंडिकेटर देकर मुड़ रहा था कि पीछे से मोटरसाइकिल बजाज पल्सर एन 160 क्रमांक एमपी 50 जेडएफ 4508 से योगेश पिता सुरेन्द्र मेश्राम मनेरी व पीछे बैठे देवेन्द्र पिता सदाराम घोरमारे मनेरी जो कि कोटेश्वर मंदिर घुमने जा रहें थे ने तेज रफ्तार से टक्कर मार दी। इस घटना में चन्द्रप्रकाश श्रीराम जाभुरे का पैर टूट गया वहीं योगेश मेश्राम को भी चोटें आई हैं। सभी को 108 एम्बुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार उपरांत चन्द्रप्रकाश जाभुरे को जिला चिकित्सालय के लिए रिफर किया गया।

रेलिंग से

टकराई मोटरसाइकिल 1की मौत एक गंभीर रूप घायल

लांजी बालाघाट मार्ग पर शनिवार को लगभग 1 बजे दुलापुर हनुमान मंदिर के समीप एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल रोड़ किनारे लगी रेलिंग से जा टकराई, इस घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौके पर मौत हो गई वहीं पीछे बैठे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल हिरो एचएफ डिलक्स एमपी 50 एमके 4791 से उमेंद्र पिता रूपलाल बाहें उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी नेवरवाही अपने काका भाई संजय पिता रूपचंद बाहें उम्र 25 वर्ष निवासी खंडाफरी के साथ अपने बहन के गांव मुर्री गये थे एवं वापस लौट रहे थे कि दुलापुर की मोड़ हनुमान मंदिर के समीप अनियंत्रित होकर रेलिंग में जा घुसे। दुर्घटना उपरांत दोनों रोड़ पर पड़े थे कि राहगीरों ने 108 एम्बुलेंस एवं 100 डायल को सूचना दी गई। दोनों ही घटना स्थल पर पहुंच कर घायलों को सिविल अस्पताल लांजी ले जाया गया, जहां डॉ अंकित खरोले द्वारा चेक कर उमेंद्र पिता रूपलाल बाहें को मृत घोषित किया वहीं गंभीर रूप से घायल संजय पिता रूपचंद बाहें को परिजनों के द्वारा उच्च उपचार के लिए गोंदिया ले जाया गया। जानकारी में यह भी बताया गया कि मृतक उमेन्द्र बाहे की एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी एवं एक माह का बच्चा है। बहरहाल अस्पताल प्रबंधन द्वारा पुलिस को तहरीर भेजें जाने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

विश्व आदिवासी दिवस पर बिंझवार समाज ने निकाली रैली

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिंझवार समाज युवा संगठन द्वारा एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पालडोंगरी के आईटीआई ग्राउंड से शुरू होकर लांजी के गोंडवाना भवन तक आयोजित की गई। इस आयोजन का उद्देश्य आदिवासी समुदायों के अधिकारों, उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और समाज में उनके योगदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचमसिंह पंद्रे ने की, जिसमें प्रमुख पदाधिकारी विजय सोनवाने, दयाराम घोरमारे और अविनाश पालेवार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह बाइक रैली आदिवासी समुदाय की एकता, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता और उनकी समस्याओं को समाज के सामने लाने का एक शक्तिशाली प्रतीक बनी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासियों के हित में आयोजित विशेष बैठक के बाद से प्रत्येक वर्ष विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर आयोजित यह रैली न केवल आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने का माध्यम बनी, बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा और हितों को बढ़ावा देने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण रही। बिंझवार समाज के इस आयोजन ने न केवल समुदाय की एकता को मजबूत किया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि आदिवासी समुदाय की आवाज को बुलंद करने और उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

हर्षोल्लास से मनाया गया भाई-बहन के प्रेम व स्नेह का पर्व रक्षाबंधन

बहनों ने भाई की कलाई पे बांधा रक्षासूत्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र में भाई - बहिन के स्नेह का त्यौहार रक्षाबंधन पर्व 9 अगस्त को बड़े उत्साह व परम्परागत रूप से मनाया गया। भाई - बहन के प्रेम व स्नेह को अटूट रिश्तों में बांधने वाला महापर्व रक्षाबंधन पर बहनों ने अपने भाईयों को तिलक लगाकर कलाईयों पर राखी बांधी और आरती उतारकर मिष्ठान तथा फल खिलाया तथा भाईयों के सुख समृद्धि और लम्बी उम्र की कामना की । जिसके बदले में भाईयों द्वारा बहनों को भेंट देकर रक्षा का संकल्प लिया । राखी के इस महान पर्व पर बहनों ने भाईयों को तो ब्राह्मणों ने अपने - अपने यजमानों को रक्षासूत्र बांधकर उनके निरंतर प्रगति की कामना की । भाई - बहन के स्नेह का त्यौहार रक्षाबंधन पर नगर के बाजार में अच्छी खासी रौनक नजर आयी। वहीं बाहर दूर शहरों में रहने वाली बहनों द्वारा भाई की कलाई सूनी न रहे इस हेतु पोस्ट द्वारा राखी भेजी गई । इसके अलावा दूर रहने वाली बहनों ने आन लाइन राखी एवं मिठाई खरीदकर अपने भाईयों को भेजी। तो अनेक बहनों ने अपने भाई से सोशल मिडिया, वाट्सएप के जरिये बात कर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। बहरहाल लांजी क्षेत्र में आस - पास के गांवों में रहने वाली बहनों ने अपने भाईयों के गांव पहुंचकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया, जिसके चलते दिन भर दू पहियां से अपने भाईयों के गांवों को जाने वाली महिलाएं नजर आयी। पर्व के चलते नगर में राखी, मिठाई व फल की दुकानों में दिन भर चहल - पहल बनी रही ।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जवानों की कलाइयों पर बंधी राखी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र सालेटेकरी रोड धारमारा चौकी में रक्षाबंधन का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। चौकी प्रभारी रामनरेश तिवारी के नेतृत्व में तैनात 40 जवानों ने सुश्री सुनीता चन्ने का हृदय से स्वागत किया, जिन्होंने जवानों की सुनी कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत किया। सुश्री सुनीता चन्ने, जो जनपद पंचायत लांजी में कार्यरत हैं, ने बताया कि सुबह से जवानों के चेहरे मायूस थे, लेकिन राखी बांधने के बाद उनकी खुशी देखते ही बनती थी। जवानों ने कहा, आज मन उदास था, लेकिन बहन के आने से अब कोई शिकायत नहीं। बहन किसी की भी हो, बहन तो बहन होती है। सभी 40 जवानों ने रक्षा सूत्र बंधवाया और सुश्री चन्ने को भोजन कराया। जवानों ने अपनी सगी बहनों से वीडियो कॉल पर बात करवाई और सगुन देकर नम आँखों से उन्हें विदाई दी। जवानों ने हर परिस्थिति में सहयोग का वादा भी किया। इसी तरह, सुलसूली चौकी में भी एसआई माधव शर्मा के सहयोग से सुश्री सुनीता चन्ने ने जवानों को राखी बांधी। उन्होंने कहा, आप लोग हमारी रक्षा करते हैं, तो आपको रक्षा सूत्र बांधना हमारा कर्तव्य है। इस आयोजन ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात जवानों के बीच भाई-बहन के स्नेह और विश्वास को और मजबूत किया। यह रक्षाबंधन का पर्व न केवल जवानों के लिए खुशी का क्षण रहा, बल्कि समाज और सुरक्षा बलों के बीच एकता और सौहार्द का प्रतीक भी बना।

ब्रम्हकुमारी बहनों ने नप अध्यक्ष, विधायक को बांधा रक्षासूत्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के ऐरिकेशन ऑफिस रोड़ पर निवासरत ब्रम्हकुमारी कल्याणी बहन ने नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले एवं विधायक राजकुमार करांहे के निवास लांजी पहुंचकर रक्षासूत्र बांधा व मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की कामना की एवं क्षेत्र के विकास का संकल्प लिया ।

कोटेश्वर धाम में आज 108 पार्थिव शिवलिंग महारूद्राभिषेक पूजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)ः एकल अभियान संच-लांजी के तत्वावधान में आयोजित 30 दिवसीय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का भव्य आयोजन दादा कोटेश्वर धाम, लांजी में 11 जुलाई 2025 से निरंतर श्रीहरि वनवासी व्यास कथाकारों और भक्तजनों के सहयोग से संचालित हो रहा था, जिसका कि 9 अगस्त 2025 को दोपहर 1ः00 बजे विश्रांति दी गई। इसके उपरांत विधि विधान से पंचकुण्डीय मानस यज्ञ, हवन और महाआरती के पश्चात डॉक्टर एसोसिएशन की ओर से महाप्रसादी भण्डारे का आयोजन किया गया।

आज 108 पार्थिव शिवलिंग महारूद्राभिषेक पूजन- इस धार्मिक आयोजन की कड़ी में आज रविवार, 10 अगस्त 2025 को प्रातः 6ः00 बजे से 108 यजमानों द्वारा 108 पार्थिव शिवलिंग का महारूद्राभिषेक पूजन किया जाएगा। इस अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए सादर मित्र मंडल, विश्वैरय्या चौक, लांजी के सदस्य अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। महारूद्राभिषेक पूजन भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने और आध्यात्मिक शांति के लिए किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसमें भक्तगण उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। कार्यक्रम के तहत सुबह 11 बजे शक्ति उपासक कालीपुत्र कालीचरण महाराज की पावन उपस्थिति में 108 गौ माता पूजन किया जाएगा।इस अवसर पर व्यापारी संघ लांजी द्वारा विशाल भण्डारा राम रोटी का आयोजन किया गया है।

एकल अभियान का उद्देश्य और अपील- एकल अभियान संच-लांजी अंचल-बालाघाट के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे और अन्य पदाधिकारियों ने इस आयोजन को धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए सभी धर्म प्रेमियों से इसमें शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल भक्ति और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देता है, बल्कि सामुदायिक एकता और सामाजिक समरसता को भी मजबूत करता है। सभी भक्तों से अनुरोध किया गया है कि वे इस पवित्र अवसर पर दादा कोटेश्वर धाम, लांजी में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

आज मेला मैदान मंडई टेकरी में लगेगा बाजार- एकल अभियान संच लांजी के तत्वावधान में 11 जुलाई से 10 अगस्त तक 30 दिवसीय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन जारी है। इसी कड़ी में आज 10 अगस्त रविवार को बाजार चौक में लगने वाला साप्ताहिक बाजार एक दिन के लिए मेला मैदान मंडई टेकरी में सावन मेले के रूप में लगाने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए नगर परिषद लांजी के द्वारा भी अनुमति प्रदान की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

2018 इलेक्शन में आयोग ने मानी थी गलती

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बोले

भोपाल। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर राहुल गांधी द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एमपी में 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। कमलनाथ ने इसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि उनके द्वारा मतदाता सूची में की गई गड़बड़ को लेकर शिकायत किए जाने के बाद चुनाव आयोग के इन विसंगतियों को स्वीकार किया गया था और सूची से नाम हटाने या सुधार संबंधी कार्रवाई करने पर सहमति जताई थी।

एक्स पर कमलनाथ ने लिखा है कि राहुल गांधी के निष्कर्षों से मतदाता सूची के रखरखाव में गड़बड़ी का एक व्यवस्थित पैटर्न सामने आया है। इसके बाद उनके द्वारा

वर्ष 2018 के चुनाव में मतदाता सूची भारी गड़बड़ी को लेकर उठाए गए मुद्दे और गंभीर हो गए हैं और हेरफेर का एक नया स्तर दिख रहा है। नाथ ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में अपने इस आश्वासन के बावजूद कि चुनाव आयोग इन विसंगतियों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा, चुनाव आयोग अपने हलफनामे से पीछे हटता जा रहा है और मतदाता सूची में जानबूझकर हेराफेरी किए जाने से इनकार कर रहा है नाथ ने लिखा है कि शिकायत के बाद आयोग ने 9664 इंट्रा-एसी रिपीट प्रविष्टियां, 8278 इंटर-एसी रिपीट प्रविष्टियां और 2,37,234 संदिग्ध तस्वीरें होने की बात भी स्वीकार की थी और 24 लाख संदिग्ध मतदाताओं को हटाने का दावा किया था। हालांकि चुनाव आयोग ने गोपनीयता संबंधी चिंताओं के कारण मतदाता सूचियों की मशीन-रीडेबल पीडीएफ उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया।

इन मुद्दों में गड़बड़ी की थी उजागर

जन सांख्यिकीय रूप से समान प्रविष्टियां होना, जहां एक ही व्यक्ति का नाम अलग-अलग विधानसभाओं या मतदान केंद्रों में दर्ज पाया गया था। समान फोटो वाली प्रविष्टियां, जहां एक ही व्यक्ति की तस्वीरें अलग-अलग स्थानों पर मौजूद थीं। मतदाता सूचियों में फर्जी नाम, जिनका जमीनी स्तर पर पता नहीं चल रहा था। मतदाता सूचियों में मृत या स्थानांतरित मतदाताओं का होना। ऐसे मतदाताओं का होना, जिनकी फोटो पहचान में नहीं आ रही थी। एक ही पते या अमान्य पतों पर असामान्य रूप से अधिक संख्या में मतदाताओं का होना।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का खूंखार बाघ को आया वन विहार

2 वनकर्मी और एक मछुआरे पर कर चुका था हमला, लगदा के जंगल में मिला

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के गश्ती दल पर हमला करने वाले खूंखार टाइगर अब भोपाल के वन विहार में रहेगा। बाघ का शुक्रवार को रेस्क्यू किया गया। फिर शाम को विशेष वाहन और सुरक्षा में टाइगर को भोपाल भेजा गया। जानकारी के मुताबिक मढ़ई के जंगल में टाइगर की लोकेशन लेने के लिए अभियान चलाया गया। लगदा के जंगल में लोकेशन मिलते ही हाथियों की टीम के साथ टाइगर के आसपास घेरा बनाया गया। वाइल्ड लाइफ और एसटीआर के डॉक्टरों ने टाइगर को ट्रेंकुलाइज किया। बेहोश होने के बाद उसके मेडिकल टेस्ट हुआ।

गश्ती दलों ने रोकी पेट्रोलिंग

टाइगर को ले जाने के लिए विशेष वाहन सुरक्षा और संसाधनों के साथ भोपाल रवाना किया गया है। बताया जाता है कि हमलावर टाइगर के कारण मानसून गश्त करने वाले जंगल गश्ती दलों को परेशानी होने लगी थी। एसटीआर ने टाइगर के मौजूदगी वाले स्थानों पर गश्ती दलों की पैदल गश्त बंद करा दी थी। जुलाई में एसटीआर ने टाइगर को पकडक़र कॉलर आईडी लगाई थी। इसके बाद उसकी लोकेशन लेकर जिस क्षेत्र में टाइगर का मूवमेंट रहता था। वहां गश्ती दलों को नहीं भेजा जाता था। इससे गश्ती प्रभावित हो रही थी। इसलिए उसे वन विहार भेज दिया गया है। मढ़ई क्षेत्र में बाघ ने अब तक दो चौकीदार और एक। मछुआरे पर हमला कर चुका था। 28 मई को लगदा कैंप के बाहर मोबाइल पर बात कर रहे चौकीदार बृजेन्द्र पर टाइगर ने हमला किया था।

मप्र में मिलने वाला है सोने का अकूत भंडार!

केंद्र और राज्य सरकार की खनन सर्वे एजेंसियां कर रही सर्वे

भोपाल । मप्र को जल्द ही एक बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। जबलपुर में सोने की खदान होने की संभावना जताई जा रही है। केंद्र और राज्य सरकार की खनन सर्वे एजेंसियां सर्वे कर रही हैं। वहीं, कटनी के स्लीमनाबाद के उमरिया-इमलिया क्षेत्र में स्थित खदान से खुदाई शुरू हो गई है। यह खदान पूरी तरह अंडरग्राउंड होगी, जिसमें करीब 200 मीटर नीचे से सोना, चांदी, तांबा, लेड और जिंक मिलने की संभावना है। मुंबई की एक कंपनी को यह खदान आवंटित की गई है, जिसे सभी आवश्यक पर्यावरणीय और तकनीकी स्वीकृतियां मिल चुकी हैं।

कंपनी ने खुदाई की शुरुआत कर दी है। शुरुआती सर्वे में बताया गया है कि यहां लगभग 3 लाख टन अयस्क हो सकता है, जिसमें शुद्ध सोने के अलावा अयस्क रूप में भी सोना मौजूद हो सकता है। 6 हेक्टेयर क्षेत्र में यह अंडरग्राउंड खदान विकसित की जा रही है। संभावना जताई जा रही है इसमें बड़ी तादाद में सोना भी हो सकता है। इसमें कुछ सोना तो शुद्ध रूप में मिलेगा वहीं कुछ अयस्क के रूप में भी मिल सकता है।

मझगांव केवलारी में भी सोने की संभावना

जबलपुर जिले की सिहोरा तहसील के मझगांव केवलारी इलाके में भी सोना होने की संभावना जताई गई है। हालांकि, जिला खनिज अधिकारी अशोक राय ने स्पष्ट किया कि उनके विभाग के पास ऐसी कोई जांच रिपोर्ट नहीं है। हालांकि यहां आयरन के साथ और कई खदानें हैं, जिनमें अभी भी खुदाई चल रही है। यहां पहले से ही आयरन और बॉक्साइट, डोलोमाइट, मार्बल, चूना पत्थर जैसे खनिज मौजूद हैं। अशोक राय ने बताया कि खनिज खोज का कार्य जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारतीय खान ब्यूरो, राज्य भूवैज्ञानिक विभाग और जिला खनिज विभाग जैसे सरकारी संस्थानों के साथ-साथ कुछ निजी कंपनियों द्वारा भी किया जाता है। खनिकर्म विभाग के अधिकारी एस।वी। धूपेश्वर ने बताया कि लौह अयस्क के साथ कम मात्रा में सोना मिलना संभव है, लेकिन यह खनन योग्य नहीं होता।

5 हजार हेक्टेयर में जारी है खोज

जबलपुर और कटनी जिले के लगभग 5000 हेक्टेयर इलाके में खनिज खोज लगातार जारी है। यह क्षेत्र खनिज दृष्टि से अत्यंत समृद्ध माना जा रहा है, लेकिन हर इलाके में खनन योग्य खजाना मिले यह जरूरी नहीं। अधिकारियों का कहना है कि यहां बॉक्साइट, डोलोमाइट, सिलिका, सैंड, चूना पत्थर, मार्बल रॉक जैसे कई खनिज पाए जाते हैं। ऐसी स्थिति में इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जमीन के भीतर सोना नहीं है, लेकिन उनकी किसी जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई है, खोज जारी है।

अडानी ग्रुप उज्जैन में खोलेगा सीमेंट फैक्ट्री

भोपाल। उज्जैन में अडानी ग्रुप जल्द ही बड़ी सीमेंट फैक्ट्री खोलने जा रहा है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ग्रुप इस पर करीब 3500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। उज्जैन में हुई रीजनल इंड्रस्ट्रीज कॉन्क्लेव में सीएम डॉ. मोहन यादव से हुई चर्चा में अडानी ग्रुप ने निवेश की इच्छा जताई थी। मप्र औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि उज्जैन-देवास रोड स्थित विक्रम उद्योगपुरी में अडानी समूह एक बड़ी सीमेंट फैक्ट्री खोलने जा रहा है। लगातार बैठकों का दौर चला, इसके बाद उज्जैन में सीमेंट फैक्ट्री खुलने का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है।

अडानी ग्रुप पहले फेस में 3500 करोड़ का इन्वेस्टमेंट करेगा। बाद में इसको और बढ़ाया जा सकता है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बाघों का होगा डीएनए टेस्ट

बेकाबू और गुस्सेल हो रहे बाघों की होगी पहचान

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बाघ वैसे तो शांत स्वभाव के माने जाते हैं, लेकिन कुछ महीनों के दौरान बाघों के स्वभाव में परिवर्तन देखा जा रहा है। सतपुड़ा के बाघ अब गुस्सैल हो गए हैं। जो जंगल में दिख रहे लोगों पर हमला कर रहे हैं। इसलिए हमला करने वाले बाघों का डीएनए मैच करने के लिए उनकी लार यानि स्लाइवा के सैंपल जबलपुर भेजे गए हैं। जिससे कि पता चल सके की एक ही बाघ लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है या दूसरे बाघ भी क्रोधी स्वभाव के हो चुके हैं।

जंगल में लगातार बाघों के हमला करने की घटना को देखते हुए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ने तीन लेयर की सुरक्षा की व्यवस्था की है। पहली लेयर में वन्यकार्मियों की रोजाना गस्ती के आलावा अधिकारियों को भी गस्ती में लगा दिया गया है। इसके साथ ही बाघों की सुरक्षा को लेकर शिकारियों की आवाजाही वाले संभावित रास्ते में कैमरे लगा दिए गए हैं।

बाघ हमले में तीन हो चुके घायल

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कामती रेंज में गस्ती कर रहे दो बीट गार्ड पर एकदम से झाड़ी में से निकले बाघ ने हमला कर दिया था। दूसरे साथी ने बाघ से अपने साथी को छुड़ाकर अस्पताल पहुंचाया था। दूसरी घटना भी कामती रेंज की सुरक्षा चौकी पर घटी थी। जहां चौकी के अंदर घुसकर बाघ ने चौकीदार पर हमला कर दिया था। यहां भी साथी ने बाघ से अपने साथी को बचाकर सोहागपुर के अस्पताल पहुंचाया था। हाल ही में रिजर्व के जंगल में सोनभद्रा नदी के बैक वाटर में मछली का शिकार करने वाले शिकारियों पर बाघ ने हमला किया था। जिसमें एक शिकारी बाघ के हमले में गंभीर रूप से

घायल हो गया था। जिसे दो साथियों ने अस्पताल पहुंचाया था। बाद में दो साथियों को रिजर्व ने मामला दर्ज कर जेल पहुंचाया है। इसके अलावा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बहारी जंगल में दिख रहे बाघ और तेंदुए भी आक्रमक हैं। जो मवेशियों के साथ आम लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

अपना क्षेत्र सुरक्षित करने बाघ हो रहे क्रोधी

सतपुड़ा में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष में एक बार होने वाली कैमरा ट्रेपिंग की गणना के अनुसार वर्तमान में 61 बाघ सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में देखे जा रहे हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के 2100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बाघों के साथ तेंदुए और दूसरे मांसाहारी वन्यप्राणियों की मौजूदगी भी बड़ी संख्या में है। वन्य प्राणी विशेषज्ञों के अनुसार बाघों की संख्या बढने् के कारण लगातार उनका विचरण क्षेत्र कम हो रहा है। जिससे बाघों के बीच आपसी संघर्ष भी समय-समय पर देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में बलशाली बाघ अपने विचरण क्षेत्र में दूसरे टाइगर या मानव की मौजूदगी पसंद नहीं करता। ऐसे में वह दूसरे को खतरा मानकर हमला कर देता है। बार-बार अपने क्षेत्र में मानव या दूसरे मांसाहारी वन्य प्राणियों को देखकर बाघ क्रोधी हो जाता है।

बाघ की पहचान के लिए सैंपल लैब भेजे गए

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व फील्ड डायरेक्ट राखी नंदा ने बताया कि जिन लोगों पर बाघ के हमले हुए, उनसे सैंपल लिए गए हैं। जांच लैब भेजी गई है। जो अभी नहीं आई है। रिजर्व के वन्य प्राणी चिकित्सा डॉक्टर गुरुदत्त शर्मा ने कहा कि जिन लोगों पर हमला हुआ है। उनके माध्यम से बाघ की लार का सैंपल एकत्रित किया गया है, जो जबलपुर लैब भेजा गया है। इस रिपोर्ट के मिलने के बाद यह पता चलेगा कि हमला करने वाले बाघ के डीएनए अलग-अलग है या एक ही है। इससे पता चलेगा कि कितने बाघ हमला कर रहे हैं। हालांकि प्रारंभिक तौर पर वन्य कर्मियों पर हमला करने वाले एक बाघ को कॉलर आईडी लगाया जा चुका है। जिस स्थान पर शिकारी पर हमला हुआ, वह कॉलर आईडी वाला बाघ था या नहीं यह प्रारंभिक तौर पर हमला करने वाले ने नहीं बताया है।

गस्ती करके बढ़ा रहे सुरक्षा

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की सहायक संचालक रितिभा तेकाम ने बताया कि मानसून में वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए स्पेशल गश्ती दल बनाए गए हैं। जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर फील्ड के कर्मचारी इस गस्ती में भाग लेकर वन्य प्राणियों की सुरक्षा पुख्ता करते हैं। कोशिश यह रहती है कि मानसून में पार्क 4 महीने बंद रहने के दौरान वन्य प्राणियों को पूरी तरह सुरक्षित वातावरण मिल सके।

मप्र में अब सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट जरूरी

भोपाल। प्रदेश में पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाने के लिए विशेष अभियान चलेगा। इसमें बीते छह साल में पंजीकृत हुए सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट की जांच और डीलरों के यहां इसकी पेंडेंसी की पड़ताल भी की जाएगी। परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा सभी डीलरों के पास नंबर प्लेट की पेंडेंसी की पड़ताल की जाएगी और छूटे हुए वाहनों में नंबर प्लेट लगाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। परिवहन विभाग ने सभी जिलों के परिवहन अधिकारियों को निर्देश जारी कर वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के निर्देश दिए है। एक अप्रैल 2019 के बाद के सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जाना है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को इस आशय के आदेश दिए थे। इसके बाद परिवहन विभाग ने सभी आरटीओ को निर्देश जारी कर नंबर प्लेट लगाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। भोपाल में भी वाहन डीलरों के यहां पर परिवहन विभाग की टीमें पहुंचकर पेंडेंसी की पड़ताल करेंगी। दल गठित कर संबंधित वाहन डीलरों के माध्यम से एनआईसी वाहन पोर्टल पर अद्यतन स्थिति दर्ज की जाएगी। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

बगैर नंबर प्लेट के नहीं होंगे कार्य

जिन वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं होगी, उन वाहनों के परिवहन कार्यालय में कार्य नहीं होंगे। एचएसआरपी नहीं होने पर पीयूसी प्रमाण पत्र भी नहीं बनेगा। इसके अलावा आरसी, पता बदलना, आरसी विवरण देखना, स्वामित्व बदलना, नवीन और डुप्लीकेट परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं जारी होंगे। परिवहन विभाग की सेवाओं की जानकारी के लिए एचएसआरपी

अनुराग जैन की सेवावृद्धि पर होगा जल्द फैसला

मुख्य सचिव रिटायर हुए तो राजौरा-बर्णवाल कतार में

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्हें सेवावृद्धि मिलेगी या नहीं, इस पर फैसला जल्द होगा। यदि सरकार उन्हें रोकने का निर्णय करती है तो फिर मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से सेवावृद्धि का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजना होगा, जो अभी तक नहीं गया है। यदि दूसरे विकल्प पर विचार किया जाता है तो फिर सबसे वरिष्ठ अधिकारी अपर मुख्य सचिव जल संसाधन राजेश कुमार राजौरा को अवसर दिया जा सकता है। वह मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव भी रहे हैं और उज्जैन संभाग के प्रभारी हैं।

वहीं, 1991 बैच के अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल भी कतार में है। उनकी छवि तेजतर्रार अधिकारियों में होती है। प्रदेश में मोहन यादव सरकार को 1988 बैच की वीरा राणा प्रभारी मुख्य सचिव के तौर पर मिली थीं । 31 मार्च 2024 को उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा था। इसके पहले आठ मार्च को सरकार ने उन्हें छह माह की सेवावृद्धि दिलाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया था, जिसे स्वीकार करते हुए 30 सितंबर 2024 तक सेवावृद्धि मिल गई।

वर्तमान मुख्य सचिव, अनुराग जैन

इसके बाद आईएएस संवर्ग के सबसे वरिष्ठ अधिकारी 1989 बैच के अनुराग जैन को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लेकर मुख्य सचिव बनाया गया। उनके साथ-साथ अपर मुख्य सचिव राजेश कुमार राजौरा का नाम चर्चा में था, लेकिन अंतिम निर्णय जैन के पक्ष में हुआ। अब एक बार फिर मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर सुगबुगाहट शुरू हुई है। यदि अनुराग जैन की सेवाएं सरकार को आगे भी जारी रखना है तो फिर केंद्र सरकार को प्रस्ताव जल्द भेजना होगा। जैन की छवि ईमानदार और समय से काम कराने वाले अधिकारी की है।

अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के साथ 18 नई औद्योगिक नीतियां भी उनके समय में ही आईं। उन्हें छह माह की सेवावृद्धि मिलती है तो फरवरी 2026 तक ही वह काम कर सकेंगे। यदि सरकार दूसरे विकल्प पर काम करती है तो फिर 1990 बैच के राजेश कुमार राजौरा और 1991 बैच के अशोक बर्णवाल प्रदेश में उपलब्ध अधिकारियों में पहली पसंद होंगे। राजौरा मुख्यमंत्री के साथ काम कर चुके हैं और भरोसे के अधिकारी माने जाते हैं तो बर्णवाल भी निर्विवादित हैं। उनकी छवि तेजतर्रार अधिकारी की है। पर्यावरण अनुमतियों को लेकर विवाद होने के बाद मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने उन्हें ही पर्यावरण विभाग को पटरी पर लाने का जिम्मा सौंपा था।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर डबल होगा मजा

- रफ्तार लगाएगा सफर में चार चांद

भोपाल। देश के सबसे बड़े रोड प्रोजेक्ट में एक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के बड़े हिस्से पर यातायात शुरू हुए करीब 2 साल हो चुके हैं, लेकिन अब दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे फुल ऑपरेशन मोड में शुरू होने जा रहा है। एमपी गुजरात की सीमा पर अनास नदी पर बन रहे पुल और राजस्थान के दर्रा में बन रही टनल का कार्य पूर्ण होते ही दिल्ली से मुंबई के बीच 12 घंटे में सफर सडक़ मार्ग से संभव हो सकेगा। इसके लिए आम लोगों को बस कुछ ही महीने का इंतजार करना होगा। हालांकि वर्तमान दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे के निर्माणाधीन हिस्सों की जगह इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल कर दिल्ली से मुंबई तक का सफर कम समय और एक्सप्रेस-वे की आरामदायक सुविधाओं के साथ किया जा सकता है।

एक्सप्रेस-वे पर कई सुविधाओं का लाभ

दरअसल, मप्र, राजस्थान और गुजरात से गुजर रहे हिस्से पर पुल और टनल पर लगातार निर्माण कार्य जारी है। मप्र और राजस्थान में मिलाकर कुल 300 किलोमीटर का दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे फुल ऑपरेशन मोड में चल रहा है। जहां पेट्रोल पंप, फूड एवं रेस्टोरेंट सहित ट्रामा एम्बुलेंस की सुविधा यात्रियों को मिल रही है। यात्री इस रूट पर बने इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल कर दिल्ली और मुंबई के बीच इस एक्सप्रेसवे पर आरामदायक सुरक्षित और तेज सफर का लाभ ले सकते हैं।

कैसे करें इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर यात्रा करने की चाह रखने वाले यात्रियों को दरअसल यह जानकारी नहीं होती है कि उन्हें कहां से इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल करना है। खासकर राजस्थान और मप्र से गुजर रहे एक्सप्रेस-वे के 300 किलोमीटर के हिस्से पर यात्री यदि सही इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल करे तो उन्हें एक्सप्रेस-वे पर अधिक लंबा सफर करने को मिलेगा।

कैसे करें इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल

दिल्ली से मुंबई की तरफ यात्रा करते समय शाहीन बाग और एयरपोर्ट रोड के पास से एक्सप्रेस वे पर सफर की शुरुआत करते हैं। जहां वह राजस्थान के दर्रा तक पहुंच सकते हैं। इसके बाद डिटूर से अन्य मार्ग का प्रयोग कर लबान टाउन से पुन- एक्सप्रेस-वे पर पहुंच सकते हैं। कोटा के पास गोपालपुरा तक आने के बाद झालावाड़ फोरलेन का इस्तेमाल कर मोढक़ की तरफ आते हुए पुन- चेचट से एक्सप्रेस वे का लाभ ले सकते हैं। इसके बाद चेचट से थांदला तक का सफर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस पर कर सकते हैं। इसके बाद एक बार फिर अन्य मार्ग का इस्तेमाल गोधरा के पास फिर से एक्सप्रेस-वे पर चढ़ सकते हैं। इसके अलावा रतलाम जिले के जावरा और मंदसौर जिले के गरोठ के पास रेस्ट एरिया में फ्यूल स्टेशन और रेस्टोरेंट की सुविधा यात्रियों को मिलने लगी है। एनएचएआई के पीआईयू रतलाम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप पाटीदार ने बताया कि दिल्ली से मुंबई की तरफ यात्रा करते समय दिल्ली से सवाई माधोपुर तक एक्सप्रेस-वे पर बिना रुके आया जा सकता है। इसके बाद इंटरचेंज रोड उपयोग कर भरूच तक एक्सप्रेस-वे पर सफर कर सकते हैं। भरुच से सूरत तक भी एक्सप्रेस-वे पर सफर इंटरचेंज का इस्तेमाल कर किया जा सकता है।

भोपाल से 63 हजार युवाओं ने ली युवा कांग्रेस की मेंबरशिप

भोपाल। मप्र में कुल 15 लाख युवाओं ने युवा कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। इनमें से भोपाल के 63 हजार युवाओं ने युवा कांग्रेस की मेंबरशिप ली है। भोपाल शहर में 53 हजार और भोपाल ग्रामीण में 11 हजार युवाओं ने सदस्यता ली। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन से सबसे अधिक 74 हजार युवाओं ने युवा कांग्रेस की सदस्यता ली है और चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया है। वहीं, एक चौंकाने वाली बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा से मात्र 3,287 युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के गृह जिले धार से 55 हजार युवाओं ने मेंबरशिप लेकर युवा कांग्रेस पदाधिकारियों के चुनाव में हिस्सा लिया। यह जानकारी मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के जिलेवार आंकड़ों के जारी होने के बाद सामने आई है। आंकड़ों के अनुसार, पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा युवा कांग्रेस सदस्य उज्जैन जिले से बने हैं। भोपाल शहर में 53 हजार और भोपाल ग्रामीण में 11 हजार युवाओं ने सदस्यता ली। इन सभी ने ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से अपने शासकीय दस्तावेजों के आधार पर सदस्यता प्राप्त की। इसके लिए 50 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया था। प्रदेशभर में कुल 15 लाख युवाओं ने युवा कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। इस प्रक्रिया में एक सदस्य को अपनी पसंद के छह उम्मीदवारों को वोट देना था, जिनमें प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष, महासचिव, जिला अध्यक्ष, महासचिव, विधानसभा और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी शामिल हैं। स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदेश और जिला स्तर की कार्यकारिणी के परिणाम जारी किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष का चयन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें पहले दिन सबसे अधिक मत प्राप्त करने वाले शीर्ष प्रत्याशियों को आमंत्रित किया जाएगा।

रोमांचक मैच में आयरलैंड ने पाकिस्तान हराया

आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर सीरीज अपने नाम

नई दिल्ली। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए दूसरे वुमेंस टी20 में आयरलैंड ने रोमांचक अंदाज में पाकिस्तान को मात देकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पहले मुकाबले की तरह इस बार भी मेजबान टीम ने पाकिस्तानी चुनौति का डटकर सामना किया और आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आयरलैंड ने लगातार दूसरी टी20 सीरीज में पाकिस्तान को हराया है और दोनों टीमों के बीच अब तक खेली गई 5 सीरीज में तीसरी बार बाजी मारी है।

मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन बनाए। टीम की तरफ से शवाल जुल्फिकार ने सर्वाधिक 33 रन बनाए, जबकि बाकी बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए

आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और मात्र 35 रन पर तीन विकेट गिर गए। इसी समय ओरला प्रेंडरगैस्ट (51) और कप्तान लौरा डेलानी (42) ने चौथे विकेट के लिए 76 रनों की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला।

रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाकर टीम को जीत की ओर बढ़ाया, लेकिन मैच का असली रोमांच आखिरी ओवर में आया। अंतिम गेंद पर आयरलैंड को जीत के लिए 4 रनों की दरकार थी और जेन मैगुइरे ने साहसिक अंदाज में छक्का लगाकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। यह आयरलैंड वुमेंस टीम के टी20 क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज भी रहा।

दोनों देशों की टी20 सीरीज के इतिहास पर नजर डालें तो 2009 में आयरलैंड ने 1-0 से जीत दर्ज की थी, 2013 में पाकिस्तान ने 2-0 और 1-0 से दो बार जीत हासिल की, 2022 में आयरलैंड ने 2-1 से सीरीज जीती, और अब 2025 में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। आखिरी मैच अभी बाकी है, लेकिन सीरीज पहले ही मेजबान टीम के नाम हो चुकी है। आयरलैंड के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि वह मजबूत टीमों के खिलाफ भी दबाव की परिस्थितियों में जीत दर्ज करने की क्षमता रखती है, खासकर तब जब मुकाबला आखिरी गेंद तक खिंच जाए।

कुलदीप यादव को लेकर क्लार्क का बड़ा बयान – भारत के लिए एक्स फैक्टर हो सकते थे

नई दिल्ली । हाल ही में समाप्त हुई भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने मुकाबला 2-2 से बराबरी पर खत्म किया। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने बल्लेबाजों के मजबूत प्रदर्शन के सहारे सीरीज में वापसी की, हालांकि गेंदबाजों के लिए हालात आसान नहीं थे। इस दौरान जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ तीन टेस्ट खेले, जबकि कुलदीप यादव को एक भी मैच में मौका नहीं मिला। सीरीज खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि अगर कुलदीप खेलते तो भारत को 20 विकेट दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते थे।

अपने यूट्यूब चैनल पर क्लार्क ने कहा, 卐कुलदीप यादव को लेकर चर्चा खत्म नहीं होगी। उन्होंने सीरीज में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन मुझे लगता है कि वह भारत को 20 विकेट दिलाने में मदद कर सकते थे।

हालांकि, वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दोनों ने बल्ले और गेंद से बेहतरीन खेल दिखाया और मौके का पूरा फायदा उठाया।卐 क्लार्क ने आगे कहा कि जडेजा जैसे खिलाड़ी की बल्लेबाजी को अक्सर कम आंका जाता है, जबकि उन्होंने भारत के लिए कई महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। इसी तरह वॉशिंगटन सुंदर ने भी इस सीरीज में एक और अर्धशतक लगाया, जिससे उनकी ऑलराउंड क्षमता साबित हुई। 2017 में टेस्ट डेब्यू करने के बाद से कुलदीप यादव ने अब तक 13 टेस्ट खेले हैं, जिनमें उन्होंने 56 विकेट लिए हैं और चार बार पांच विकेट हॉल हासिल किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उनका रिकॉर्ड भी प्रभावी रहा है छह टेस्ट में 21 विकेट। हालांकि, 2018 में इंग्लैंड में खेले एकमात्र टेस्ट में उन्हें विकेट नहीं मिला था। इस सीरीज में उनके अलावा अभिमन्यु ईश्वरन और एन जगदीशन को भी प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया।

क्लार्क का मानना है कि कुलदीप का 'एक्स फैक्टर' भारत के लिए निर्णायक साबित हो सकता था, खासकर इंग्लैंड जैसी टीम के खिलाफ जहां स्पिन गेंदबाजी से मैच का रुख बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि चर्चा आगे भी जारी रहेगी, क्योंकि कुलदीप जैसे गेंदबाज टीम के लिए किसी भी समय बड़ा फर्क ला सकते हैं।

मोइन ने राहुल को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने भारतीय टीम के बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में राहुल ने 532 रन बनाये। राहुल ने इस दौरे में 53.2 के औसत से 2 शतक और 2 अर्धशतक लगाये। मोइन ने कहा , 'मुझे लगता है कि लोगों को महसूस ही नहीं होता कि राहुल पारी की शुरुआत के लिए कितने अच्छे हैं। इंग्लैंड के पिछले दौरे पर भी वह शानदार रहे थे और इस सीरीज में वह एक अपनी जिम्मेदारी निभाते दिखे हैं। कप्तान शुभमन गिलने सबसे ज्यादा रन बनाए और वह अद्भुत दिखे पर मुझे लगता है कि राहुल ने भारतीय टीम में जो भूमिका निभाई, वह सबसे श्रेष्ठ थी। मैं कई साल से उन्हें देख रहा हूं।'

मोईन ने साथ ही कहा , वह इतने अच्छे खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं और मैंने यह बात पहले भी कही है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 5-0 से एशेज सीरीज जीतेगी - मैक्ग्रा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि आगामी एशेज सीरीज में उनकी टीम इंग्लैंड को सभी पांच मैच में हरा देगी। मैक्ग्रा के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। इसके अलावा उनकी टीम के सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। ऐसे में बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम पर वह भारी पड़ेगी। साथ ही कहा कि इस सीरीज में उनकी टीम इंग्लैंड पर 5-0 से जीत हासिल करेगी। मैक्ग्रा ने कहा, हालांकि मेरे लिए भविष्यवाणी करना बहुत कठिन है और न ही मैं ऐसा कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने शुरुआत से ही इस सीरीज में अपनी परंपरा को बनाये रखा जिससे वह कभी भी भटकी नहीं है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की ये सीरीज नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में ऑस्ट्रेलिया की पहली घरेलू सीरीज रहेगी। वहीं इंग्लैंड अपने हाल के खराब रिकॉर्ड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया आ रहा। है। उन्होंने 2010-11 की सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट नहीं जीता है। इंग्लैंड को 2006-07, 2013-14और 2017-18 में 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा है। मैकग्राथ ने अपनी टीम की जीत के दावे का एक कारण ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी इकाई की ताकत को बताया और कहा कि पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन अपने मैदानों पर सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो मेहमानों के लिए यह दौरा काफी कठिन होने वाला है। इसके अलावा, इंग्लैंड का जो रिकॉर्ड रहा है, उसे देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे कोई टेस्ट जीत पाते हैं। इंग्लैंड ने 2023 एशेज में घरेलू मैदान पर 2-2 से रोमांचक ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की पर साल 2015 के बाद से वे इसे नहीं जीत पाये हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे एशिया कप की तैयारी का अहम हिस्सा- हरमनप्रीत

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना टीम के लिए बड़ी चुनौती होगी और यह आगामी एशिया कप से पहले सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने का बेहतरीन अवसर देगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी।

रवाना होने से पहले हरमनप्रीत ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा कठिन होता है, और तैयारी के इस चरण में हमें इसी तरह की चुनौती की आवश्यकता है। हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी का अहम हिस्सा मानते हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और टूर्नामेंट से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।

कप्तान ने स्पष्ट किया कि इस दौरे से टीम को उन खास पहलुओं का अंदाजा लगेगा, जहां और मेहनत की जरूरत है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का हमें उत्साह है। यह सीरीज हमें एशिया कप के लिए सही संतुलन और रणनीति बनाने में मदद करेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चारों मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस दौरान टीम प्रबंधन खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन कर एशिया कप के लिए अंतिम टीम का चयन करेगा। एशिया कप 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में शुरू होगा। टूर्नामेंट का विजेता सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दौरा भारतीय टीम के लिए मानसिक और तकनीकी दोनों स्तर पर अहम परीक्षा साबित होगा।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक; भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

नई दिल्ली। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई

जवाब नहीं था।

इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था।

ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था।

बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

कपिल हैं करोड़ों की संपत्ति के मालिक

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने साल 1994 में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद भी उनकी नेटवर्थ करोड़ों में है। कपिल की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहली बार 1983 में विश्वकप जीत था। इसके बाद से ही वह सबसे बड़े स्टार के तौर पर उभरे थे। खेल से संन्यास के बाद कपिल ने कारोबार में उतरने के साथ ही निवेश और अन्य क्षेत्रों में उतरकर जमकर कमाई की है। संन्यास लेने के बाद कपिल देव कमेंट्री भी सालों तक जुड़े रहे। वह टीम इंडिया के कोच भी रहे, लेकिन ज्यादा देर तक इस पद पर नहीं बने रह सके। एक अनुमान के मुताबिक कपिल विज्ञापनों से साल के तकरीबन 20 से 30 लाख रुपये कमाते हैं। इसके अलावा वह कमेंट्री, टीवी शो के अलावा अन्य तरीकों से साल के तकरीबन 12 करोड़ कमाते हैं।

साल 2025 में कपिल देव की अनुमानित संपत्ति करीब 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। ये करीब 250-260 करोड़ भारतीय रुपये के बराबर है। जिसमें उनके क्रिकेट करियर के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट, कमेंट्री, निवेश के साथ-साथ रियल एस्टेट भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार कपिल देव की वार्षिक आय 12 करोड़ के आसपास है। जिसमें उनके क्रिकेट करियर, ब्रांड एंडोर्समेंट, कमेंट्री, निवेश के साथ-साथ रियल एस्टेट भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार कपिल देव की वार्षिक आय 12 करोड़ के आसपास है। उनके पास एक शानदार बांग्ला भी है। लग्जरी कारों की बात करें तो उनके पास पोर्श पैनामेरा, मर्सिडीज सी-220डी, मर्सिडीज जीएलएस 350डी, टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी महंगी गाड़ियां हैं।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार नेट्स प्रेक्टिस करते आए नजर

वीडिया शेयर कर लिखा- उस काम को फिर करने को बेताब जो मुझे पसंद

नई दिल्ली। टी-20 टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में चल रहे रिहैब के दौरान नेट्स पैक्टिस की। अपनी बल्लेबाजी को लेकर आगामी एशिया कप से पहले फिटनेस के संकेत दिए हैं। जुलाई माह में सूर्यकुमार ने जर्मनी के म्यूनिख में हर्निया की सर्जरी करवाई थी और इसके बाद सीओई में रिहैबिलिटेशन के लिए भर्ती हुए थे। उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने सीओई में फिर से बल्लेबाजी शुरू कर दी है। सूर्यकुमार ने वीडियो के कैप्शन में लिखा- मैं उस काम को फिर से करने के लिए बेताब हूं जो मुझे पसंद है। वीडियो में वह व्यायाम और दौड़ते हुए भी दिखाई दे रहे हैं, और फिट नजर आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूर्यकुमार ने पिछले हफ्ते के आखिर से ही नेट्स पैक्टिस शुरू कर दी थी। बता दें सूर्यकुमार ने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत उनकी टीम ने टूर्नामेंट में दूसरा क्वालीफायर खेला। वह मुंबई इंडियंस के लिए 717 रन बनाकर टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बन गए थे। वह इस सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन से बस कुछ रन पीछे थे, जिन्होंने गुजरात टाइटन्स के लिए 759 रन बनाए थे।

टीम इंडिया का अगला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में होगा। रोहित शर्मा के टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद अब तक सूर्यकुमार का टीम इंडिया के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में एक प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। सूर्यकुमार ने 22 मैचों में भारत का नेतृत्व किया है, जिनमें से 17 में उन्हें जीत हासिल हुई। 83 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सूर्यकुमार ने 38.2 की औसत और 167.07 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2,598 रन बनाए। उन्होंने आखिरी बार जून में मुंबई टी20 लीग में ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट के लिए क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा था, जहां उन्होंने चार पारियों में 122 रन बनाए थे।

टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट अमीन के साथ फिर पिच पर आए नजर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं।

अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20

क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर से पर्थ में यह टूर्नामेंट शुरू होगा। इसके बाद 23 और 25 अक्टूबर टूर्नामेंट के अन्य मैच खेले जाएंगे।

ओवल टेस्ट में भारत पर था स्लो ओवर रेट से बचाने के दबाव

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत ने 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट चाहिए थे। मोहम्मद सिराज की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड टिक नहीं पाया और टीम इंडिया ने मैच जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में कीमती अंक हासिल किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीत भारत को न केवल सीरीज बराबरी दिलाने में अहम रही, बल्कि डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल पर भी दोहरे नुकसान से बचाया। दरअसल, मैच के पांचवें दिन सुबह मैच रेफरी जेफ क्रो ने भारतीय टीम को चेतावनी दी थी कि वे निर्धारित समय से छह ओवर पीछे हैं। यदि यह ओवर रेट सुधरा नहीं, तो चार डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते थे। ऐसे में भारत को या तो इंग्लैंड को जल्द आलआउट करना था या ओवर रेट सुधारना था।

चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक के बीच अहम रणनीति बैठक हुई। बैठक में एक सुझाव आया कि प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर पूरे होने के बाद दोनों छोर से रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी दी जाए, ताकि ओवर रेट सुधारा जा सके। हालांकि, इसके साथ यह जोखिम भी था कि इंग्लैंड के जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं और मैच पलट सकता है।

इस पर कोच गौतम गंभीर ने साफ कहा कि उन्हें ओवर रेट की चिंता नहीं है, चाहे चार अंक कट जाएं, लेकिन टीम को जीत के लिए ही खेलना है। इसके बाद फैसला हुआ कि एक छोर से प्रसिद्ध कृष्णा और दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज को लगातार आक्रमण पर रखा जाएगा। कप्तान शुभमन गिल ने भी इस रणनीति को मंजूरी दी। नतीजा यह हुआ कि तेज गेंदबाजों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के बाकी विकेट जल्दी गिरा दिए और मैच 6 रनों से अपने नाम कर लिया।

एशिया कप के लिए बाबर को शामिल करें –अकरम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि अगले महीने होने वाले एशिया कप में स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को शामिल किया जाना चाहिये। अकरम ने कहा कि टीम को एशिया कप के लिए बाबर जैसे अनुभवी खिलाड़ी की सख्त जरुरत है। इस क्रिकेटर को दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच के बाद से ही टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से बाहर कर दिया है। प्रबंधन ने उन्हें कम औसत और स्ट्राइक रेट रहने के कारण सबसे छोटे प्रारुप के लिए उपयोगी नहीं माना है। एशिया कप लिए टीम अभी अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश कर रही है। इसी को देखते हुए अकरम ने कहा कि चयन समिति एक बार फिर बाबर को शामिल करने पर विचार करे। साथ ही कहा कि अगर उन्हें फैसला लेना होता तो वह अकरम को अवश्य शामिल करते।

अकरम ने कहा, अगर मैं चयन समिति मे होता, तो मैं बाबर आजम को राष्ट्रीय टी20 टीम में जरूर शामिल करता। एशिया कप और फिर विश्व कप करीब आ रहे हैं, और हमें एक अनुभवी बल्लेबाज की भी जरूरत है। प्रशंसकों को याद होगा कि जब उन्होंने साल 2019 में समरसेट के लिए खेला था, तब उन्होंने लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। उनमें हालातों के अनुसार बल्लेबाजी करने की क्षमता है।

इसके साथ ही समय के अनुसार अपनी बल्लेबाजी शैली को ढालने की बाबर की क्षमता पर भी उन्होंने जोर दिया है। अकरम का मानना है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक होने के कारण बाबर जिम्मेदारी उठा सकते हैं और बाकी टीम को

अपने साथ ले जा सकते हैं। साथ ही कहा कि इस पूर्व कप्तान में अभी भी काफी क्रिकेट बाकि है और वह टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा, जब हम 140 या 160 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ तो हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी ले सके और बाकी 10 खिलाड़ियों को अपने साथ लेकर चल सके। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। वह अपने खेल को प्रारूप और मैच की स्थिति के अनुसार ढाल लेता है – उसने पहले भी ऐसा किया है और भविष्य में भी कर सकता है।

अकरम ने कहा, सभी को उसका समर्थन करना चाहिए। कोच बाबर को अपनी इच्छानुसार किसी भी स्थान पर खिला सकता है। मेरे विचार से तीसरा नंबर उसके लिए आदर्श है, लेकिन यह स्थिति पर निर्भर करेगा।

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025 इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

बी ई एम एल BEML Beyond Possibilities

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

स्वदेशी अभियान
विकास की नई पहचान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

₹1800 करोड़ की लागत के अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण केन्द्र का भूमिपूजन

मुख्य अतिथि
राजनाथ सिंह
केन्द्रीय मंत्री, रक्षा मंत्रालय

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(वर्चुअल माध्यम से)

10 अगस्त 2025 । दोपहर 12:00 बजे । ग्राम उमरिया, जिला रायसेन

उच्च प्रौद्योगिकी युक्त निर्माण क्षमता, आधुनिक रेल तकनीक का केन्द्र
- यात्री कोच, मेट्रो कार, ईएमयू, वंदे भारत ट्रेन सेट्स एवं हाई-स्पीड रेल प्रणालियों की डिज़ाइन, निर्माण, असेम्बली तथा परीक्षण
- घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप उत्पादन

हरित ऊर्जा और नवाचार पर आधारित
- सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्त्रोतों से संचालित
- ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज, वर्षा जल संचयन, हरित परिसर और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री का प्रयोग
- भारत के ग्रीन फैक्ट्री मानकों के अनुरूप

विस्तार योग्य निर्माण क्षमता
- प्रारंभ में 125–200 कोच प्रति वर्ष निर्माण क्षमता
- पांच वर्षों में 1,100 कोच प्रति वर्ष तक विस्तार संभव

स्थानीय विकास को बल
- क्षेत्रीय एमएसएमई और आपूर्ति इकाइयों को बढ़ावा
- 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार अवसर
- निर्माण, लॉजिस्टिक्स और संबंधित क्षेत्रों में मजबूती

'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ठोस कदम
- "ब्रह्मा" (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) सिर्फ एक संयंत्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक और वैश्विक स्तर का रेल निर्माण केन्द्र होगा
- BEML की अग्रणी तकनीकी क्षमता का प्रतीक

D11078/25

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षा बंधन पर्व

बहनो ने भाई की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र, बसस्टैंड, रेलवे स्टेशन ,बाजार, रहे गुलजार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और अटूट बंधन का प्रतीक है।यह दिन ,बहन भाई के रिश्ते की मिठास और पारिवारिक एकता के महत्व को बताता है। बहन द्वारा भाई की कलाई पर सजाई गई राखी सिर्फ धागा नहीं, बल्कि प्रेम, सुरक्षा और सम्मान का वचन है।भाई-बहन के इसी अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहाँ भाई-बहन, इस पवित्र त्योहार की रस्में निभाने के लिए एक-दूसरे के घर गए।जहाँ माथे पर तिलक लगाकर, बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर अपनी रक्षा का वचन लिया।तो वहीं भाई भी बहनों को आशीर्वाद देने के साथ-साथ विभिन्न उपहार दिए।इस त्योहार को लेकर नगर की सड़कों और बाजारों में काफी चहल पहल रही।जिले भर में सुबहा से लेकर देर शाम तक रक्षाबंधन का त्योहार परंपरागत ढंग से संपन्न किया गया। पर्व विशेष पर बच्चे, युवा और बुजुर्ग हर उम्र के लोगों ने इस त्योहार को अपने-अपने तरीके से मनाया।इस दौरान जहां बच्चे विभिन्न खिलौनों की आकृति वाली राखी बांधे नजर आए तो वहीं युवा और बुजुर्गों की कलाई पर क्लासिकल और फैंसी राखियां शुशोभित दिखाई दी।शनिवार को भाई-बहन राखी के लिए सुबह से ही एक-दूसरे के घर आने-जाने लगे थे। दुकानों पर रक्षाबंधन के गीत इस त्योहार के महत्व की लोगों को याद दिला रहे थे। इस दौरान बहनों ने भाइयों की रंग-बिरंगी राखियों से कलाइयां सजाकर मुंह मीठा कराया।बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की, तो वहीं भाइयों ने उन्हें विभिन्न उपहार तथा आशीर्वाद दिए।जिले भर में राखी बांधने का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा।

मिठाई सहित गिफ्ट आइटम दुकानों में लगी रही कतारे

भाई बहन के प्रेम का पर्व रक्षाबंधन में बाजारों में खासी रौनक छाई रही।जहा शहर के हर चौराहे पर सजी राखी,मिठाई व गिफ्ट आइटम की दुकानों में खासी भीड़ नजर आई।जहा रक्षाबंधन के लिए बहनों ने राखी, मिठाई व अन्य चीजों की जमकर खरीदारी की।बहनों ने जहां भाइयों के लिए राखियां, रुमाल व मिठाइयां आदि की खरीदीं की तो वहीं भाई भी बहनों के लिए गिफ्ट खरीदते देखे गए।शनिवार सुबह से देर रात तक महिलाएं, युवतियां व किशोरियां और उनके भाई राखी, कपड़े, श्रृंगार का सामान,गिफ्ट आइटम व मिठाइयां खरीदते नजर आए।रक्षा बंधन पर्व को लेकर गिफ्ट आयटम की भारी डिमांड देखी गई।जहा पुरुषों और युवाओं ने भी बहनों को तोहफा देने के लिए बाजार से गिफ्ट खरीदे। रेडीमेड गारमेंट्स, मोबाइल की दुकानों, और ज्वेलर्स दुकानों पर सुबह से भीड़ रही तो वही मिठाई सहित गिफ्ट आइटम दुकानों में सुबहा से ही खरीदारों की लंबी कतारे नजर आई।

बस स्टैंड ,रेलवे स्टेशनों पर भी दिखाई भारी भीड़

रक्षाबंधन के इस पवित्र पर्व में बहने अपने भाई से मिलने के लिए व्याकुल नजर आई। इस पर्व विशेष पर नगर के बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन में भारी भीड़ देखी गई। बसो और ट्रेनो में यात्रियों की भारी संख्या दिखाई दी।

मोटरसाइकिल फिसलने से एक व्यक्ति घायल

जिला अस्पताल में भर्ती कर, किया गया रिफर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम मगरदर्रा से मिरेगांव जा रहा एक व्यक्ति मोटरसाइकिल फिसलने से सड़क पर गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिनके परिजनों के आग्रह पर प्राथमिक

उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल से रिफर किया गया है।इस सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का नाम ग्राम मगरदर्रा निवासी 45 वर्षीय सावंत पिता शिवलाल हरिनखेड़े बताया गया है। जिसका नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है।

सामान खरीदने मिरेगांव जा रहा था सावन

प्राप्त जानकारी के अनुसार सावन हरिनखेड़े, ग्राम मगरदर्रा में किराना दुकान चलाता है। जो शनिवार की सुबह कुछ सामान खरीदने के लिए मोटरसाइकिल में सवार होकर मिरेगांव जा रहा था। बताया जा रहा है कि कुछ दूर जाने के बाद सड़क के एक गड्ढे से उसकी मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई।जिससे सावन मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसकी जानकारी मिलने पर उनके परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर उपचार के लिए परिजनों के आग्रह पर रिफर कर दिया।जिनके परिजनों द्वारा उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

खेत की झोपड़ी में फांसी पर लटका मिला दशरथ का शव

आत्महत्या की जताई जा रही आशंका, मामले की जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भोंडवा स्थित खेत में बनी एक झोपड़ी में स्थानीय 50 वर्षीय व्यक्ति का शव पुलिस ने फांसी के फंदे से बरामद किया गया है।मृतक का नाम ग्राम पंचायत भोडवा सलंग टोला निवासी दशरथ तेकाम (बेंगा) बताया गया है। जिसके आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।उधर मामले की सूचना मिलने पर शनिवार की सुबह लामता पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की।वही मृतक के शव को फांसी के फंदे से बरामद कर लामता अस्पताल पहुचाया।जहां शव का पोस्टमार्टम कराकर ,अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।तो वहीं इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीती रात की बताई जा रही घटना कारण अज्ञात

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भोडवा, सलंग टोला निवासी दशरथ तेकाम खेती-बाड़ी का काम करता था। बताया जा रहा है कि वहा शराब पीने का आदि था, जो आए दिनो की तरहा शुक्रवार की शाम को भी नशे में था।जानकारी के अनुसार शाम के बाद से ही दशरथ घर नहीं आया था, जिसके चलते उनके परिजनों द्वारा उनकी खोज की जा रही थी। जब उनके परिजनों ने रात्रि करीब 8 से 9 बजे के बीच खेत जाकर देखा तो दशरथ, खेत में बनी झोपड़ी में पीले गमछे के सहारे फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया।जिसकी मौत हो गई थी।जिस पर परिजनों ने मामले की जानकारी देर रात्री ग्राम रक्षक दी। जहां ग्राम रक्षक ने मामले की जानकारी से सरपंच और स्थाई पटेल को अवगत करते हुए शनिवार की सुबह मामले की जानकारी लामता पुलिस को दी।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर मामले की सूचना मिलने पर थाना निरीक्षक नितिन पटले के आदेश पर सहायक उपनिरीक्षक बी एस परते, आरक्षक ब्रम्हे के साथ घटना स्थल पर पहुचे।जिन्होंने परिजनों से घटित घटना की पूछताछ कर परिजनों के बयान लेकर घटना स्थल का निरिक्षण किया , वही पंचनामा बनाकर शव को फंदे से उतारा।मर्ग 18/23कायम कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव लामता अस्पताल पहुंचाया। जहां शव का पोस्टमार्टम पर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।हालांकि प्रथम दृष्टि यह मामला आत्महत्या से जुड़ा बताया जा रहा है लेकिन दशरथ ने आत्महत्या क्यों कि फिलहाल इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।जिसके चलते पुलिस द्वारा हर एंगल से इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट